निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | सोमवार 27 जून 2022 | पीडीएफ अंक-68 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –39 | सूर्योदय – 5 : 25
न्यूनतम – 31 | सूर्यास्त – 7 : 22

सोना चांदी

साप्ताहिक मुद्रा बाजार बंद

अर्थसार

साप्ताहिक शेयर बाजार बंद

न्यूज फ्लैश

प्रधानमंत्री ने उपचुनाव में भाजपा को समर्थन के लिए जताया आभार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत के लिए जनता का आभार प्रकट किया है। साथ ही उन्होंने आंध्र प्रदेश, झारखंड, दिल्ली और पंजाब में पार्टी को वोट देने वालों का शुक्रिया करते हुए कहा कि हम लोगों के बीच काम करते रहेंगे और जनकल्याण के मुद्दे उठाते रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, मैं त्रिपुरा के लोगों को भाजपा के विकास के एजेंडे में विश्वास करने और मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा जी की उपचुनाव में जीत सहित हमारे उम्मीदवारों को आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं। हमारी सरकार लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करती रहेगी। मैं अपने कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के लिए उनकी सराहना करता हूं। उन्होंने कहा, आजमगढ़ और रामपुर उपचुनाव में जीत ऐतिहासिक है। यह केंद्र और उप्र में डबल इंजन सरकारों के लिए व्यापक पैमाने पर स्वीकृति और समर्थन का संकेत देता है। समर्थन के लिए लोगों का आभारी हूं। मैं हमारी पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करता हूं। प्रधानमंत्री ने ट्वीट संदेश में कहा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, दिल्ली और पंजाब में बीजेपी को वोट देने वालों का शुक्रिया. हम लोगों के बीच काम करते रहेंगे और जनकल्याण के मुद्दे उठाते रहेंगे।

अग्निपथ पर बोले कन्हैया कुमार सेना का ठेकाकरण करना चाहती है केंद्र सरकार

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने सवाल खड़े किए हैं। कन्हैया कुमार ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार अग्निपथ योजना से देश की सेना का ठेकाकरण करना चाहती है। जो भी सरकारी उपक्रम बेचे जा रहे हैं, उसकी सुरक्षा में अग्निवीर को लगाने की तैयारी है। इस योजना से सेना का मनोबल गिरेगा। कन्हैया कुमार ने कहा कि कांग्रेस 27 जून को बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सत्याग्रह करेगी। बता दें कि कुछ दिन पहले भी कन्हैया कुमार ने कहा था कि सरकार के एक-एक मंत्री जिस तरह से अग्निपथ योजना के फायदे गिना रहे हैं, ऐसा लग रहा कि वह कुछ बेच रहे हैं। इतना ही नहीं कन्हैया कुमार ने सरकार पर तंज कसते हुए युवाओं के भविष्य की भी चिंता जता डाली। कन्हैया कुमार से सवाल पूछा गया कि रक्षा मंत्री ने तीन बदलाव करने का ऐलान किया है, क्या लगता है कानून वापस हो सकता है? इस पर कन्हैया कुमार ने कहा कि जब किसी चीज की नींव ही खराब हो जाए तो रिव्यू कितनी बार भी कर लीजिए, ठीक नहीं है। सरकार युवाओं, किसानों, व्यापारियों को लेकर सीरियस नहीं है। अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने सवाल खड़े किए हैं। कन्हैया कुमार ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार अग्निपथ योजना से देश की सेना का ठेकाकरण करना चाहती है। जो भी सरकारी उपक्रम बेचे जा रहे हैं, उसकी सुरक्षा में अग्निवीर को लगाने की तैयारी है। इस योजना से सेना का मनोबल गिरेगा। कन्हैया कुमार ने कहा कि कांग्रेस 27 जून को बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्रों में सत्याग्रह करेगी। बता दें कि कुछ दिन पहले भी कन्हैया कुमार ने कहा था कि सरकार के एक-एक मंत्री जिस तरह से अग्निपथ योजना के फायदे गिना रहे हैं, ऐसा लग रहा कि वह कुछ बेच रहे हैं। इतना ही नहीं कन्हैया कुमार ने सरकार पर तंज कसते हुए युवाओं के भविष्य की भी चिंता जता डाली। कन्हैया कुमार से सवाल पूछा गया कि रक्षा मंत्री ने तीन बदलाव करने का ऐलान किया है, क्या लगता है कानून वापस हो सकता है? इस पर कन्हैया कुमार ने कहा कि जब किसी चीज की नींव ही खराब हो जाए तो रिव्यू कितनी बार भी कर लीजिए, ठीक नहीं है। सरकार युवाओं, किसानों, व्यापारियों को लेकर सीरियस नहीं है।

2024 के लिए यूपी की जनता ने दिया स्पष्ट संदेश, रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में जीत : योगी

रामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में मिली जीत को 2024 में होने वाले आम चुनाव के लिए जनता का संदेश बताया है। सीएम योगी ने कहा कि यह जीत भाजपा की नीतियों और पीएम मोदी के लिए लोगों के विश्वास का परिणाम है। दोनों सीटों पर रिजल्ट घोषित होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस करते हुए सीएम योगी ने बिना नाम लिये अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की जनता ने दंभी, नकारात्मक सोच रखने वालों और परिवारवादी ताकतों को स्पष्ट संदेश दिया है। जनता अब परिवारवादियों, जातिवादियों और पेशेवर माफियाओं को प्रश्रय देने वाले राजनीतिक दलों को स्वीकार करने वाली नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने नेतृत्व में भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास करते हुए सबके विश्वास को अर्जित किया है। यह जनादेश उसी विश्वास का परिणाम है। योगी ने कहा कि यह चुनाव पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ाने का अभियान है। 2024 में विजयश्री के लिए यह दूरगामी संदेश भी है। 2024 में यूपी में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीतेगी। भाजपा यूपी की 80 में से 80 सीटें जीतेगी। आज के विजय में यह संदेश स्पष्ट रूप से आया है। सीएम योगी ने कहा कि दोनों चुनौतीपूर्ण लड़ाई को भाजपा ने जीत में बदलकर 2024 के लिए एक दूरगामी संदेश दे दिया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार की सकारात्मक, सर्वसमावेशी और कल्याणकारी योजनाओं, गांव, गरीब, किसान, महिलाएं और समाज के हर वर्ग के लिए जो काम किए गए हैं वो जनता ने हाथों हाथ लिए हैं।

आपातकाल के उस भयावह दौर को भूलना संभव नहीं, जब लोगों से छीन लिया गया था जीने का अधिकार : मोदी

-प्रधानमंत्री ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। यह मासिक रेडियो कार्यक्रम का 90वां एपिसोड है। मोदी ने इस दौरान आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा क्या आपको पता है कि आपके माता-पिता जब आपकी उम्र के थे, तो एक बार उनसे जीवन का भी अधिकार छीन लिया गया था! आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है? ये तो असंभव है। पीएम मोदी ने कहा मेरे नौजवान साथियो, हमारे देश में एक बार ऐसा हुआ था। यह बरसों पहले 1975 की बात है। जून का वही समय था, जब इमरजेंसी लगाई गई थी। मोदी ने कहा, अमृत महोत्सव सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्ति की विजय गाथा ही नहीं, बल्कि आजादी के बाद के 75 वर्षों की यात्रा भी समेटे हुए है। इतिहास के हर अहम पड़ाव से सीखते हुए ही हम आगे बढ़ते हैं। आज जब देश अपनी आजादी के 75 वर्ष का पर्व मना रहा है, अमृत महोत्सव मना रहा है, तो आपातकाल के उस भयावह दौर को भी हमें कभी भी भूलना नहीं चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को भी भूलना नहीं चाहिए। इमरजेंसी के दौरान देशवासियों के संघर्ष का गवाह रहने का, साझेदार रहने का सौभाग्य मुझे भी मिला था। प्रधानमंत्री ने कहा उस समय भारत के लोकतंत्र को कुचल देने का प्रयास किया गया था। देश की अदालतें, हर संवैधानिक संस्था, प्रेस, सब पर नियंत्रण लगा दिया गया था। सेंसरशिप की ये हालत थी कि बिना स्वीकृति कुछ भी छापा नहीं जा सकता था। मुझे याद है, तब मशहूर गायक किशोर कुमार ने सरकार की वाह-वाही करने से इनकार किया तो उन पर बैन लगा दिया गया था। रेडियो पर उनके गाने बजने बंद हो गए थे। पीएम मोदी ने कहा हम में से शायद ही कोई ऐसा हो, जिसने अपने जीवन में आकाश से जुड़ी कल्पनाएं न की हों। बचपन में हर किसी को आकाश के चांद-तारे उनकी कहानियां आकर्षित करती हैं। युवाओं के लिए आकाश छूना, सपनों को साकार करने का पर्याय होता है। हमारा भारत जब इतने सारे क्षेत्रों में सफलता का आकाश छू रहा है, तो आकाश या अन्तरिक्ष, इससे अछूता कैसे रह सकता है! बीते कुछ समय में हमारे देश में स्पेस सेक्टर से जुड़े कई बड़े काम हुए हैं। उन्होंने कहा मैं आज भारत की सर्वाधिक प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में एक मिताली राज की भी चर्चा करना चाहूंगा। उन्होंने इसी महीने क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, जिसने कई खेल प्रेमियों को भावुक कर दिया है। मिताली महज एक असाधारण खिलाड़ी नहीं रही हैं, बल्कि अनेक खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी रही हैं। मैं मिताली को उनके भविष्य के लिए ढ़ेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।

सिद्धू मूसेवाला के विवादित आखिरी गीत 'एसवाईएल' को यू-ट्यूब ने हटाया

नई दिल्ली। पंजाब के दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के अंतिम गीत एसवाईएल को यू-ट्यूब ने हटा दिया है। इसमें एसवाईएल का अभिप्राय सतलुज यमुना लिंक नहर से है। सतलुज-यमुना लिंक नहर पिछले काफी समय से पंजाब और हरियाणा के बीच विवाद का विषय रहा है। गीत में पंजाब किसान आंदोलन और लाल किला के घटनाक्रम का जिक्र है। गीत को सिद्धू मूसेवाला के यू-ट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। वीडियो लिंक पर दिखाई दे रहा है कि सरकार की कानूनी शिकायत के बाद देश के डोमेन से इस सामग्री को हटाया गया है। गीत को भारत के अलावा अन्य देशों में देखा जा सकता है। हालांकि अन्य चैनलों पर यह गीत अभी भी है। गीत के बोल में कहा गया है कि जब तक हमें संप्रभुता की राह नहीं देते हो, तब तक पानी तो छोड़ो एक बूंद नहीं देंगे। इसमें खालिस्तान समर्थकों की रिहाई की मांग की है और साथ ही किसान आंदोलन व लाल किले का मुद्दा उठाया है। सिद्धू मूसेवाला की 29 मई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनकी मौत के कुछ दिनों बाद 23 जून को इस गीत को म्यूजिक प्रोड्यूसर एमएक्सआरसीआई ने यू-ट्यूब पर जारी किया था। इसके बोल एवं संगीत दोनों सिद्धू मूसेवाला की ओर दिए गए थे। गीत को 23 करोड़ लोग देख चुके थे और 31 लाख लाइक मिल चुके थे। सतलुज-यमुना लिंक नहर की कुल लंबाई 214 किमी है। हरियाणा इससे जुड़ा 92 किमी का काम पूरा कर चुका है। वहीं 122 किमी का पंजाब को अपने हिस्से का काम करना है। विवादों के कारण यह परियोजना लटकी हुई है।

दिल्ली में केजरीवाल की लोकप्रियता कायम, भाजपा को हराकर आप प्रत्याशी ने हासिल की जीत

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र नगर सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ी जीत हासिल की है। राघव चड्ढा के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई सीट पर 'आप' के दुर्गेश पाठक ने भाजपा उम्मीदवार राजेश भाटिया को करीब 11500 वोट से हरा दिया है। दुर्गेश पाठक को कुल 40010 वोट मिले तो भाजपा के राजेश भाटिया को 28577 वोट से संतोष करना पड़ा। कांग्रेस की उम्मीदवार प्रेम लता को महज 1990 वोट मिले। 16 राउंड की गिनती में भाजपा कहीं भी मुकाबले में नहीं दिखी। पहले से आखिरी राउंड तक राजेश भाटिया पिछड़ रहे। एक बार उन्होंने अंतर कम किया तो भाजपा खेमे में थोड़ी उम्मीद जरूर जागी, लेकिन यह अधिक देर तक नहीं टिकी। दिल्ली उपचुनाव के नतीजों ने कांग्रेस पार्टी के लिए भी चिंता बढ़ा दी है। केजरीवाल की एंट्री से पहले लगातार 15 सालों तक दिल्ली की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस पार्टी यहां कोई भी असर नहीं छोड़ पा रही है। भले ही भाजपा की भी बड़ी हार हुई हो, लेकिन कांग्रेस तो पूरी तरह साफ हो चुकी है।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' ड्राइंगरूम में नहीं बूथ पर सामूहिक रूप से सुनें : नड्डा

गुरुग्राम/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने देशभर के पार्टी कार्यकताओं से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को ड्राइंगरूम में अकेले बैठकर सुनने के बजाये बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने की अपील की है। गुरुग्राम में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुनने पहुंचे नड्डा ने कहा कि सभी को मन की बात कार्यक्रम बूथ पर सामूहिक रूप से सुनना चाहिए, इससे बूथ का सुदृढ़ीकरण होगा। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम ड्राइंगरूम में अकेले बैठकर सुनने का नहीं है, बल्कि सामूहिक रूप से बूथ पर बैठकर सुनने का है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम कार्य को एक्टिविटी में बदलने की प्रेरणा देता है, इसलिए हम सभी को सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम में उठाए गए सामाजिक विषयों पर चर्चा करने के साथ-साथ इन्हें अपने जीवन में भी उतारना चाहिए। गुरुग्राम की बादशाहपुर विधानसभा के बूथ नंबर 338 पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात सुनने के लिए पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के साथ प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, प्रदेश के मंत्री बनवारी लाल, सांसद सुनिता दुग्गल सहित अनेक नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद अपने संबोधन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इंदिरा गांधी द्वारा 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक काला अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि भारत के जन-जन की मूल विचारधारा लोकतंत्र ही रही है, जिसने आखिरकार आपातकाल की तानाशाही को उखाड़ फेंका। उन्होंने आपातकाल की घटना को साझा करते हुए कहा कि उन्हें कालेज की क्लास से अरेस्ट किया गया था। आपातकाल का विरोध करने वाले हजारों लोगों को जेल में लंबे समय तक बंदी बनाकर रखा गया था। नड्डा ने कहा कि अगर हम उजाला चाहते हैं, तो हमें अंधेरों को भी याद रखना होगा। इसलिए हमें आपातकाल को याद रखकर लोकतंत्र को लगातार मजबूत करने के लिए काम करना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय मूल विचारधारा के कारण ही हम प्रजातांत्रिक हैं। इस तरह अब यही लोकतांत्रिक सोच प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लगातार खुशहाल एवं विकसित होती जा रही है। नड्डा के कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कभी राजनीतिक बात नहीं की। इसमें उन्होंने हमेशा जनजागरण और देश के समन्वित विकास की गहरी से गहरी बात की। प्रधानमंत्री ने पर्यावरण, विज्ञान, ग्रामीण विकास, खेल कूद और नव निर्माण पर महीन से महीन चर्चा करते हुए इसे देश के जन-जन तक पहुंचाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मन की बात हमें सामाजिक, आध्यात्मिक और जन जागरण की एक सामूहिक प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि हम सब इसी तरह रविवार को सामूहिक रूप से बूथ पर बैठकर ही मन की बात सुनें। इससे पार्टी की और प्रधानमंत्री मोदी की विकसित सोच जन-जन में अधिक लोकप्रिय होगी। साथ ही इस तरह के आयोजन से हमारे बूथों का और सुदृढ़ीकरण भी होगा।

संगरूर लोकसभा उप-चुनाव में कम हुआ आप का 'मान', सिमरनजीत ने दर्ज की जीत

संगरूर (ईएमएस)। पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद संगरूर लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। सीएम भगवंत मान के इस्तीफे से खाली संगरूर सीट पर शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान ने जीत हासिल की है। उन्होंने आप कैंडिडेट गुरमैल सिंह को 7000 वोटों से मात दी है। इस चुनाव को आम आदमी पार्टी सरकार के कामकाज पर जनमत संग्रह के तौर पर देखा जा रहा था। खासतौर पर कानून व्यवस्था के मामले में आम आदमी पार्टी सरकार सवालों के घेरे में रही हैं। सिंगर और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद से मान सरकार बैकफुट पर रही है। जीत के बाद सिमरनजीत सिंह मान ने फेसबुक पर लिखा, थैंक यू। मान को यह जीत 29 साल के अंतराल के बाद मिली है। वह 1999 में संगरूर से सांसद थे। इसके बाद उन्हें सभी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में लगातार हार का सामना करना पड़ा। मान ने कहा यह उन लोगों की जीत है जो आम आदमी पार्टी के कुशासन के खिलाफ मेरे साथ खड़े रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। लोग अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इसीलिए उन्होंने आम आदमी पार्टी की गैर-अनुभवी सरकार को सबक सिखाया है। यहां की आप सरकार को दिल्ली से कंट्रोल किया जा रहा है और यहां के लोगों ने इस समीकरण को नकार दिया है। संगरूर लोकसभा सीट पर आम आदमी पार्टी की हार से माना जा रहा है कि कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ही लोगों की सरकार से नाराजगी दिखी है। संगरूर लोकसभा सीट से भगवंत मान लगातार दो बार चुने गए थे, ऐसे में यहां से हार होना बड़ा संकेत है। बता दें कि शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) पूर्व में सत्ता में रही अकाली दल से अलग होकर बनी पार्टी है।

वायुसेना जरूरत पड़ने पर सीमित समय में इच्छित कार्रवाई करने में सक्षम : एयर चीफ मर्शल चौधरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को कहा कि भारत को अस्थिर पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर मौजूद स्थिति को दो मोर्चों के तौर पर देखना चाहिए और उसी के अनुरूप तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने यह बात चीन और पाकिस्तान के दोहरे सैन्य खतरे से उत्पन्न होने वाली संभावित चुनौतियों का संदर्भ देते हुए कही। वायुसेना प्रमुख ने दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, भविष्य में भारत पर सभी मोर्चों से हमला हो सकता है, जिसमें सैन्य गतिरोध से लेकर दुष्प्रचार और ब्लैकआउट तक शामिल है। ऐसे में भारत के सुरक्षा सिद्धांत और क्षमताओं को इन आशंकाओं का मुकाबला करने में सक्षम होना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या यूक्रेन के खिलाफ रूस की आक्रमकता चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर और अधिक आक्रमक रुख अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी तो उन्होंने कहा कि वैश्विक घटनाओं और भूराजनीतिक घटनाक्रमों से भारत-चीन संबंधों पर पड़ने वाले असर का लगातार विस्तृत तौर पर और सभी स्तरों पर आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा एक राष्ट्र के तौर पर हमें अपने मौजूदा और भविष्य के खतरों की सटीक पहचान करने की जरूरत है, ताकि उनका मुकाबला करने के लिए जरूरी क्षमता का विकास किया जा सके। पूर्वी लद्दाख में सीमा पर गतिरोध के बीच चीन द्वारा एलएसी के पास तेजी से हवाई संसाधन तैनात करने के सवाल पर उन्होंने कहा वायुसेना जरूरत पड़ने पर बहुत सीमित समय में इच्छित कार्रवाई कर सकती है। तेज हो रही भूराजनीतिक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए वायुसेना प्रमुख ने रेखांकित किया कि भविष्य के किसी भी संघर्ष के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा के सभी तत्वों को जोड़ने की जरूरत होगी, ताकि ऑल ऑफ नेशन एप्रोच अपनाया जा सके।

यूक्रेन से लौटे मेडिकल छात्रों और परिजनों ने जंतर-मंतर पर किया अनशन, आत्मदाह की दी चेतावनी

नई दिल्ली। यूक्रेन से करीब 3 महीने पहले लौटे भारतीय छात्र अपनी आगे कि पढ़ाई को लेकर काफी चिंतित हैं, उनके साथ उनके माता-पिता भी बच्चों के भविष्य को लेकर परेशान हो रहे हैं। स्वदेश लौटे भारतीय छात्र रविवार को अपनी मांगों और परेशानियों पर प्रधानमंत्री की नजर पड़े, इस मकसद से अनशन शुरू किया। दिल्ली के जंतर मंतर पर यह छात्र अपने परिजनों के साथ अनशन पर बैठे। हालांकि पुलिस की तरफ से इजाजत नहीं मिलने के कारण यह प्रदर्शन एक दिन का ही रखा गया है और पुलिस ने केवल 300 लोगों की इजाजत दी है। संगठन ने कहा सरकार अब हमें आंदोलन करने पर मजबूर कर रही है। हम शांतिपूर्ण तरह से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करते आए हैं, लेकिन सरकार अगर हमारी तरफ गौर नहीं करती है तो पेरेंट्स को आत्महत्या करने को मजबूर होना पड़ेगा। यूक्रेन के वेनिसिया से स्वदेश लौटीं तृषा सागर दूसरे वर्ष की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने कहा ऑपरेशन गंगा के तहत हमें स्वदेश लाया गया, हम प्रधानमंत्री का शुक्रिया अदा करते हैं। लेकिन हम वापस आने के बाद ऐसी ही हमें छोड़ दिया है तो हमें वापस बुलाना ही नहीं चाहिए था। हम अपनी मांगो को लेकर नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के वरिष्ठ लोगों के पास जाते हैं तो वे लोग बदतमीजी से बात करते हैं, हमें नीचा दिखाया जाता है। उन्होंने कहा हमें यह कहकर शर्मिंदा किया जाता है कि 'आप यहां पढ़ने लायक नहीं हो, आप यहां डॉक्टर नहीं बन सकते। आप हमसे पूछकर यूक्रेन नहीं गए थे। हम उनसे यह पूछना चाहेंगे कि क्या विदेश जाने के दौरान इनकी इजाजत नहीं चाहिए होती है? क्या इन्हें पता नहीं होता कि हम उधर पढ़ाई के लिए जा रहे हैं? तब ये हमसे क्यों बदतमीजी करते हैं? यूक्रेन में छह सालों में मेडिकल की पढ़ाई पूरी होती है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीवेब में दाखिले के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट वुमन एजुकेशन बोर्ड ने छात्राओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। ज्ञात हो कि डीयू इस साल से सेंट्रल कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से स्नातक के रेगुलर कोर्स में दाखिला लेगा। एनसीवेब और एसओएल में आवेदन प्रक्रिया पहले की तरह 12वीं की मेरिट के आधार पर होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 25 जुलाई है। एनसीवेब के लिए डीयू के 26 कॉलेजों में स्टडी सेंटर बनाया गया है। जिसका दिल्ली का निवास प्रमाणपत्र है वह एनसीवेब में आवेदन कर सकता है। इसके तहत केवल छात्राओं का दाखिला लिया जाता है। एनसीवेब की निदेशक प्रो.गीता भट्ट ने बताया कि हमारे पास स्नातक में 15 हजार से अधिक सीटें हैं। डीयू में नॉन कॉलेजिएट वुमन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) में छात्राओं को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा। बोर्ड स्नातक स्तर पर बीए प्रोग्राम तथा बीकॉम में दाखिला देता है। एनसीवेब में स्नातक की कक्षाएं कुल 26 केंद्रों पर चलती हैं। नौ केंद्रों पर केवल शनिवार को तथा बाकी 17 केंद्रों पर रविवार को कक्षाएं चलती हैं।

DELHI CRIME 27 june 2022:Layout 1 6/26/2022 7:05 AM Page 2

सम्पादकीय

राष्ट्रपति चुनाव में सरकार का मास्टर स्ट्रोक

राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू को उम्मीदवार बनाकर भाजपा नीति राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने विपक्ष को दुविधा में डाल दिया है। यह निर्णय न केवल विपक्ष को घेरने का प्रयास है बल्कि इसके राजनीतिक मायने भी हैं। सरकार का यह मास्टर स्ट्रोक है। इसका असर आगामी लोकसभा चुनाव के साथ राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी दिखेगा। इस निर्णय से विपक्ष कमजोर होगा। विपक्ष ने यशवंत सिन्हा को उम्मीदवार बनाकर अपनी हार पहले से ही स्वीकार कर ली है। आंकड़ों पर नजर डालें तो एनडीए लगभग अड़तालीस फीसदी वोट के साथ बढ़त बनाए हुए हैं। यूपीए के पास कुल तेईस फीसदी वोट ही है। अर्थात एनडीए के पास 5,35,000 वोट हैं और उसे मात्र 1.2 फीसदी अर्थात 13,000 वोटों की जरूरत है, जबकि यूपीए के पास 2,92,000 वोट हैं, लगभग एनडीए से आधे और उसे इस फासले को पाटने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। ऐसे में राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की हार सुनिश्चित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह निर्णय निःसंदेह मास्टर स्ट्रोक है। प्रधानमंत्री मोदी अपने फैसलों के लिए जाने जाते हैं और उनका यह फैसला भी विपक्ष को चौंकाने वाला रहा। द्रौपदी मुर्मू संथाल आदिवासी समूह से आती हैं। उनका प्रभाव झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के अधिकांश इलाकों में है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने प्रधानमंत्री को यह भरोसा दिया है कि वह द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट करेंगे। उन्होंने अपने राज्य के सभी विधायकों से अपील की है कि वे दलगत भेदभाव से ऊपर उठकर द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करें। वाईएसआरसीपी ने भी पिछले राष्ट्रपति चुनाव में बीजेडी के साथ मिलकर एनडीए का समर्थन किया था, जिसकी वजह से एनडीए के उम्मीदवार रामनाथ कोविन्द राष्ट्रपति चुने गए थे। उस समय भी एनडीए के पास कुल 5,37,000 वोट थे, जिन्हें टीआरएस, बीजेडी और वाईएसआरसीपी का समर्थन मिला। इस बार भी एनडीए की जीत सुनिश्चित लग रही है लेकिन यह चुनाव मात्र राष्ट्रपति चुनने का नहीं है बल्कि इसके बहुत सारे राजनीतिक मायने भी हैं। द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी से जिन प्रदेशों में गैर राजग सरकारें हैं उनके सामने बड़ी दुविधा खड़ी हो गई है। झारखंड विधानसभा में 81 में से 28 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं, इनमें से फिलहाल 26 सीटों पर झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस का कब्जा है। ऐसे में द्रौपदी मुर्मू के विरोध में वोट करना झारखंड सरकार को भारी पड़ सकता है। इधर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन एवं द्रौपदी मुर्मू के बीच अच्छे संबंध रहे हैं। इसके साथ साथ वे संथाल आदिवासी समूह से आती हैं। इसका ध्यान भी हेमंत सोरेन जरूर रखेंगे। यदि झारखंड सरकार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन नहीं करती तो एनडीए सरकार को उन्हें घेरने का मौका मिलेगा और आगामी चुनाव हेमंत सोरेन के लिए आसान नहीं होगा। हेमंत सोरेन अब दुविधा में है कि वह कांग्रेस के विरोध में जाकर द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करें या आदिवासी संथाली समूह के साथ विश्वासघात करें। यह धर्मसंकट की स्थिति है। दूसरी तरफ बांगला मानुष की बात करने वाली ममता बनर्जी ने बंगाल से बाहर बिहार के यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर खुद बंगाल के साथ धोखा किया है। ममता बनर्जी ने यशवंत सिन्हा का नाम आगे बढ़ाकर भाजपा को एक मौका दिया है। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में इस मुद्दे को आगे बढ़ाकर ममता बनर्जी को घेरेगी जरूर। ऐसे में विपक्ष की हालत गले में फंसी हड्डी की तरह हो गई है। लोकसभा में 45 सीटें जनजातीय समुदाय के लिए आरक्षित हैं। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने से जनजाति समूह तक यह संदेश पहुंच गया है कि भाजपा उनके हितों एवं उनके लोगों का सम्मान कर रही है। इसका फायदा लोकसभा चुनाव में दिखाई पड़ेगा। देश में लगभग 8.6 फीसदी आदिवासी रहते हैं। वह इस नाते भारतीय जनता पार्टी को समर्थन दे सकते हैं। उम्मीद की जा रही है कि यदि आदिवासियों का वोट भाजपा की तरफ जाता है तो उसे लगभग 100 सीटों का फायदा होगा और विपक्ष की हालत और खराब होगी। झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और गुजरात में जनजाति समूह की बड़ी संख्या निवास करती है। इन राज्यों में भाजपा को अच्छी खासी बढ़त मिल सकती है। दशकों से आरएसएस ने आदिवासी बहुल इलाकों में वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से जो काम किया है, उसका असर अब दिखने लगा है।

नफरत की इंतेहा और विश्वगुरु बनने का भरम?

लेखिका-निर्मल रानी
/ईएमएस

घिनौनी जातिवादी मानसिकता रखने वाले तथाकथित उच्च जाति के लोगों की अभद्रता व गुंडागर्दी का पिछले दिनों एक और मामला सामने आया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर जोमैटो के दलित समाज से संबंध रखने वाले एक डिलीवरी ब्वॉय के हाथों से तथाकथित 'उच्च जाति' के एक ग्राहक ने खाना लेने से इंकार कर दिया। आरोप है कि ग्राहक को जैसे ही डिलीवरी ब्वॉय के दलित होने का पता चला। उसने खाना लेने से इंकार कर दिया। खबरों के अनुसार लखनऊ शहर के आशियाना इलाके का रहने वाला विनीत रावत नामक एक युवक जोमैटो फूड सप्लाई सर्विस में डिलीवरी बॉय के रूप में अपनी सेवाएं देकर अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करता है। गत 18 जून (शनिवार) की रात विनीत रावत आशियाना क्षेत्र में ही अजय सिंह नाम के किसी ग्राहक के घर खाने की डिलीवरी लेकर पहुंचा। अजय सिंह ने डिलीवरी ब्वॉय से उसका नाम पूछा। जैसे ही उसने अपना नाम विनीत रावत बताया, ग्राहक अजय सिंह उसका नाम सुनते ही आग बबूला हो गया। पहले तो उसने खाने का पैकेट यह कहते हुए फेंक दिया कि 'हम दलित का छुआ हुआ खाना नहीं खाएंगे। इसके बाद उस तथाकथित 'उच्च जाति' के दुष्ट व्यक्ति ने उस मेहनतकश डिलीवरी बॉय के मुंह पर थूक दिया। जब विनीत रावत ने उसकी इन हरकतों का विरोध किया और ग्राहक से आर्डर कैंसिल करने का निवेदन किया तो आरोपी अजय और उसके परिवार के अनेक सदस्यों ने मिलकर उसकी काफी देर तक पिटाई भी की। किसी फूड डिलीवरी ब्वॉय को उसकी जाति के आधार पर अपमानित करने की देश की यह कोई पहली घटना नहीं है। अब तक देश में ऐसी दर्जनों घटनाएँ हो चुकी हैं जिसमें कभी किसी जातिवादी ग्राहक ने किसी दलित युवक के हाथों से खाना लेने को मन किया तो कभी किसी साम्प्रदायिकतावादी ग्राहक ने किसी मुसलमान डिलीवरी ब्वॉय के हाथों से खाना लेने से इनकार किया व इन्हें अपमानित भी किया। ऐसे ही 'जातिवादी 'संस्कारों में पोषित स्कूलों के 'उच्च जाति ' के बच्चे कई बार उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार व मध्य प्रदेश जैसे अनेक राज्यों में आंगनवाड़ी व अपने स्कूलों की दलित समाज से सम्बन्ध रखने वाली मेड के हाथों का बना भोजन खाने से इंकार कर चुके हैं। दलित समाज के किसी दूल्हे को तथाकथित 'उच्च जाति' के दबंगों द्वारा घोड़ी से उतारे जाने की घटनाएं भी हमारे 'विश्व गुरु ' बनने की दिशा में कथित तौर पर 'सरपट' भाग रहे भारतवर्ष में अक्सर होती रहती हैं। जातिवादी उत्पीड़न की घटनायें केवल किसी डिलीवरी ब्वॉय ,मेड या दलित दूल्हे की घुड़ड़चढ़ी तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि दलित समाज से सम्बन्ध रखने वाले देश के दर्जनों उच्चाधिकारी यहाँ तक कि आई ए एस रैंक तक के कई अधिकारी इस विषय पर अपने व्यक्तिगत कटु अनुभव सार्वजनिक रूप से सांझा करते रहे हैं। आखिर कोई वजह तो थी कि बाबा साहब भीम राव अंबेडकर जैसे महान कानूनविद व संविधान विशेषज्ञ को 1935 में यह कहना पड़ा था कि 'मैं हिंदू धर्म में पैदा जरूर हुआ, लेकिन हिंदू रहते हुए मरूंगा नहीं'? बाबा साहब को दलित समाज को संबोधित करते हुए यह क्यों कहना पड़ा था कि -'यदि आप एक सम्मानजनक जीवन चाहते हैं तो आपको अपनी मदद स्वयं करनी होगी और यही सबसे सही मदद होगी... अगर आप आत्मसम्मान चाहते हैं, तो धर्म बदलिए, अगर एक सहयोगी समाज चाहते हैं, तो धर्म बदलिए, अगर ताकत और सत्ता चाहते हैं तो धर्म बदलिए, समानता, स्वराज और एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं जिसमें खुशी खुशी से जी सकें तो धर्म बदलिए '? आखिर कुछ तो वजह रही होगी जिसके चलते 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर स्थित दीक्षाभूमि में अंबेडकर ने लाखों दलितों वंचितों के साथ हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म स्वीकार किया?

इसी दिन अंबेडकर ने सामूहिक धर्म परिवर्तन का एक कार्यक्रम भी किया और अपने अनुयायियों को शपथ दिलवाईं कि बौद्ध धर्म अपनाने के बाद किसी हिंदू देवी देवता और उनकी पूजा में विश्वास नहीं किया जाएगा। हिंदू धर्म के कर्मकांड नहीं होंगे और ब्राह्मणों से किसी किस्म की कोई पूजा अर्चना नहीं करवाई जाएगी। परन्तु हमारे देश की सत्ता और सत्ता समर्थित नेता व मीडिया हिन्दू धर्म में व्याप्त जमीनी हक़ीकत बन चुकी इन जातिवादी सच्चाइयों से निपटना व इन्हें दूर करना तो दूर उल्टे न केवल इनसे आँखें मूंदे हुए है बल्कि प्रायः इस व्यवस्था को समर्थन देते भी दिखाई देते हैं। इतना ही नहीं बल्कि इस अतिआवश्यक विमर्श से मुंह मोड़कर दूसरे गैर जरूरी विषयों की ओर समाज का ध्यान भटकाकर इस जातिवादी व्यवस्था को यथावत रखने में दिलचस्पी रखते हैं। इसी जातिवादी व्यवस्था वाले धर्म में 'घर वापसी ' कराकर अपनी 'विजय पताका' लहराते रहते हैं। जबकि इसी दुर्भाग्य पूर्ण व्यवस्था से दुखी दलित समाज के लोग आये दिन कहीं ईसाई धर्म तो कहीं बौद्ध धर्म स्वीकार करते रहते हैं। परन्तु इन सांस्कारिक जातिवादी विडंबनाओं से लड़ने के बजाये इसी व्यवस्था के पोषक कुछ लोग लाठी डंडों से लैस होकर कभी धर्म परिवर्तन करने वालों पर तो कभी करवाने वालों पर हमलावर हो जाते हैं। हास्यास्पद तो यह है कि अब कुछ शातिर शातिर जातिवाद पोषकों द्वारा भारत में इस जातिवादी वैमनस्य का कारण भी मुगल शासकों को बताया जाने लगा है। जबकि हिन्दू धर्म में वर्ण व्यवस्था का इतिहास इस्लाम धर्म के उदय से शताब्दियों पुराना है। हिन्दू धर्म में चार वर्णों की व्यवस्था इस्लाम, मुसलमान या मुगलों द्वारा नहीं की गयी थी। दिन रात टी वी डिबेट में हिन्दू मुसलमान,मंदिर मस्जिद,भारत-पाकिस्तान, गाय-गोबर-गौमूत्र की बहस चलाने वाले और दूसरे धर्मों में कमियां निकालकर उनपर बहस चलाकर समाज को विभाजित करने में लगे भारतीय मीडिया को समाज सुधार के इस सबसे बड़े विषय पर मैराथन बहस चलानी चाहिये। भारत हिन्दू राष्ट्र बनने जा रहा है,हम विश्वगुरु बनने की दिशा में सरपट भाग रहे हैं जैसी बहसें तब तक तो बिल्कुल ही फुजूल हैं जबतक समाज से वर्ण व्यवस्था और इससे उपजा जातिवाद का नासूर समाप्त नहीं होता। आश्चर्य है कि जिस देश में धर्म व जाति के नाम पर नफरत की इंतेहा हो और उसी देश के यही जातिवादी लोग विश्व विश्वगुरु बनने का भरम पाले फिरें?

आज का कार्टून।

कोरोना वैक्सीन संजीवनी

लेखक-सिद्धार्थ शंकर
/ईएमएस

कोरोना महामारी से बचाव के लिए बनाई गई वैक्सीन भारत के साथ-साथ अन्य देशों के लिए संजीवनी साबित हुई है। इस वैक्सीन ने भारत में जहां 42 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई है वहीं पूरी दुनिया में दो करोड़ से अधिक लोगों को मौत के मुंह में जाने से रोका है। लांसेट जर्नल के दिसंबर 2020 से दिसंबर 2021 तक के आंकड़ों में यह बात सामने आई है। शोधकताओं ने कहा कि दुनिया में कोरोना से 3.14 करोड़ मौतों का अनुमान लगाया गया था लेकिन टीकाकरण की वजह 1.98 करोड़ की जान बचाई गई। अध्ययन का अनुमान है कि अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2021 के अंत तक दो या अधिक खुराक के साथ प्रत्येक देश में 40 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण करने का लक्ष्य पूरा किया गया होता तो और 5 लाख 99 हजार 300 लोगों की जान बचाई जा सकती थी। अध्ययन के प्रमुख लेखक ओलिवर वाटसन ने कहा कि भारत के लिए, हमारा अनुमान है कि इस अवधि में टीकाकरण से 42 लाख से अधिक मौतों को रोका गया। भारत में कोरोना महामारी के दौरान 51 लाख से अधिक लोगों की मौत का अनुमान लगाया गया था लेकिन कोरोना टीक-ाकरण की वजह से लाखों लोगों की जान बचाई गईं। कोरोना के प्रति भारतीयों की सावधानी और समय पर वैक्सीन लेना ही रामबाण बना है। भारत महामारी की शुरूआत में पूरी दुनिया की नजरों में था और भयावहता का अंदाजा सभी लगा रहे थे, मगर जिस खूबी से भारत ने महामारी को पस्त किया, वह दूसरों के लिए मिसाल बन गया। आधुनिक चिकित्सा पद्धति का दावा करने वाले अमेरिका और अन्य यूरोपीय देश जब पस्त हो गए तब भारत ने अपने कौशल से महामारी को हराया। कोरोना को हराने में वैक्सीन को नजरअंदाज करना गलती होगी। सरकार के सख्त फैसले भी जीत में बड़ी भूमिका रखते हैं। फैसलों को लागू करने में कोरोना वॉरियर्स का भी रोल अहम है। भारतीयों की नियमों को मानने में दिखाई गई तत्परता भी कम नहीं आंकी जा सकती। इन सब में टीकाकरण अभियान निश्चित ही एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है। महामारी की भयावहता और दुनियाभर में इसके कहर से इतना तो साफ हो गया था कि जब तक टीका नहीं आ जाता, तब तक बचाव संबंधी उपाय ही जीवन को बचाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लॉकडाउन जैसे कदम भी इसीलिए उठाए गए थे, ताकि लोग घरों से न निकलें और संक्रमण का प्रसार न हो। इसलिए टीके को लेकर लंबे समय से इंतजार था। अमेरिका और यूरोप के ज्यादातर देशों की तस्वीर तो डराने वाली रही। भारत में भी संक्रमण से हुई मौतों का आंक-ड़ा डेढ़ लाख को पार कर चुका है। ऐसे में बिना किसी कारगर टीके के संभव ही नहीं था कि महामारी को शिकस्त दी जा सके। भारत की आबादी को देखते हुए टीकाकरण का काम चुनौती भरा रहा। सबको जल्द ही एक साथ टीका लगा पाना किसी भी सूरत में संभव नहीं था। इसलिए इसके लिए प्राथमिकता तय की गई। टीके के लिए शोध, परीक्षण से लेकर इसके निर्माण और देश में जगह-जगह पहुंचाने का काम भी कोई मामूली नहीं था। तैयार टीकों को सुरक्षित रूप से हर राज्य में भेजने के लिए वायुसेना की सेवाएं ली गईं। टीकाकरण के काम में कहीं कोई चूक न रह जाए, इसके लिए देश भर में कई बार पूर्वाभ्यास किए गए। भारत के वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों और इस महाभियान से जुड़े लोगों ने जिस जीवट के साथ काम किया, उसी का परिणाम है कि साल भर के भीतर ही कुछ गिने-चुने देशों के साथ हम भी टीका बनाने से लेकर उसे लगाने में सफल हो पाए हैं। इसे भी बड़ी कम बड़ी उपलब्धि नहीं माना जाना चाहिए कि भारत में बने टीकों का दुनिया के दूसरे देशों में हम निर्यात करने में भी सक्षम हैं। देश में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के टीके कोविशील्ड और भारत बायोटेक के टीके कोवैक्सीन के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दी गई। हालांकि टीकों को लेकर कुछ विवाद भी खड़े हुए और इस कारण लोगों में भय और अविश्वास भी पैदा हुआ।

प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,'हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं?' 'हां, आते हैं।' ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,'जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं?' ब्राह्मण ने उत्तर दिया,'हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं।' बुद्ध ने पूछा, 'अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं?' ब्राह्मण बोला, 'हम भोज स्वयं खा लेते हैं।' बुद्ध बोले,'अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ।' बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, 'कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती।' कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे। वे हमें आदर देने के लिए हमारे पास आ सकते हैं। जैसे दिन गुजरे और हमारा सामना ऐसे लोगों से हो जो हमारे प्रति प्रोध और आलोचना से भरे हों तो हम उनके वचनों को शांति से सुनें। हमें यह देखना चाहिए कि उनके वचनों में क्या कोई सच्चाई है। अगर ऐसा है तो हम उनके वचनों से कुछ सीखें और अपने आपको सुधारें। अगर उनके वचनों में कुछ भी सत्य नहीं है, तब हम उनके प्रोध के उपहार को स्वीकार न करें। हम उनके स्तर पर न उतर आएं। हम उनके प्रतिकूल वातावरण में शांति डालें। हमें प्रोध के उपहार को उनके पास छोड़ देना चाहिए और अपने शांत, खुशहाल रास्ते पर चल देना चाहिए।

राजस्थान भाजपा में हार से बढ़ी तकरार

लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा
(ईएमएस)

राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटों के लिए संपन्न हुए चुनाव में भाजपा एक सीट ही जीत सकी थी। भाजपा के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े सुभाष चंद्रा को भी पार्टी के पूरे वोट नहीं मिल पाये थे। जिससे वह चुनाव हार गए थे। सुभाष चंद्रा को मात्र 30 वोट ही मिले थे। जबकि भाजपा के विजेता रहे प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी को 43 वोट मिले थे। राजस्थान में भाजपा के 71 विधायक है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के तीन विधायकों ने भी सुभाष चंद्रा के पक्ष में वोट डाला था। जीतने के लिए 41 वोटों की जरूरत थी। इस तरह भाजपा के घनश्याम तिवारी को 41 वोट देने के बाद 34 वोट बचते थे। इस हिसाब से सुभाष चंद्रा को 34 वोट मिलने चाहिए थे मगर मिले मात्र 30 वोट ही। भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा ने कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी। वहीं पार्टी के दो अन्य विधायकों ने भी निर्दलीय सुभाष चंद्रा को वोट न देकर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी के ही पक्ष में वोट डाल दिया था। पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ क्रास वोटिंग करने के कारण भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने धौलपुर से पार्टी विधायक शोभारानी कुशवाह को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। वहीं दो अन्य विधायक जिन्होंने सुभाष चंद्रा के बजाय भाजपा प्रत्याशी घनश्याम तिवाड़ी के पक्ष में वोट डाला उनके खिलाफ पार्टी कोई कार्यवाही नहीं कर सकती है। क्योंकि उन्होंने पार्टी के प्रत्याशी को ही वोट दिया था। हालांकि अंदर खाने चर्चा है कि ऐसा उन्होंने पार्टी के एक बड़े नेता के इशारे पर किया था। कांग्रेस पार्टी द्वारा आसानी से तीनों सीटें जीत लेने व भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा के पक्ष में किसी भी निर्दलीय या अन्य किसी दल के प्रत्याशी का वोट नहीं मिलना भाजपा के प्रदेश नेतृत्व की कमी को ही दर्शाता है। भाजपा का प्रादेशिक नेतृत्व पिछले काफी समय से नेताओं की आपसी गुटबाजी में फंसा हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया एक दूसरे के विरोधी गुट से होने के चलते राजस्थान में भाजपा भी गुटों में बंटी हुई है। इसी के चलते राज्यसभा चुनाव में 13 में से एक भी निर्दलीय प्रत्याशी का वोट सुभाष चंद्रा के पक्ष में नहीं डल पाया। ऊपर से वसुंधरा राजे समर्थक शोभारानी कुशवाहा ने कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर भाजपा की फजीहत करवा दी।

राज्यसभा चुनाव में शिकस्त खाने के बाद वसुंधरा राजे समर्थक प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया को उनके पद से हटाने की मांग करने लगे हैं। वही सतीश पूनिया समर्थक भी दबी जबान से वसुंधरा राजे को ही क्रास वोटिंग का जिम्मेदार बता रहे हैं। वसुंधरा समर्थकों का आरोप है कि राजस्थान में निर्दलीय विधायकों की संख्या 13 है तथा माकपा के दो, भारतीय ट्राइबल पार्टी के दो व राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। इस तरह देखे तो कांग्रेस के बाहर 18 अन्य ऐसे विधायक थे जो कांग्रेस व भाजपा दोनों के प्रत्याशियों को हराकर चुनाव जीते थे। मगर कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन सभी 18 विधायकों से तालमेल बैठाकर राज्यसभा चुनाव में वोट ले लिया। चर्चा यह भी है कि भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा गहलोत के ही माली समाज की होने के चलते भी गहलोत के कहने से वोट डाल दिया। कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग करने के बाद अपने निष्कासन पर सफाई देते हुए शोभारानी कुशवाहा ने कहा कि पार्टी के ही बड़े नेता पार्टी में रहकर उनके खिलाफ गतिविधियां चलाते थे। ऐसे में उनका भाजपा से जुड़े रहने का कोई कारण नहीं रह गया था। शोभारानी कुशवाहा अपने पति को उम्र कैद की सजा होने के बाद उनकी विधायकी समाप्त होने पर उपचुनाव में वसुंधरा राजे के प्रयास से भाजपा में शामिल होकर उपचुनाव में विधायक बनी थी। फिर 2018 के चुनाव में भी उन्हें भाजपा ने टिकट दिया था और वह चुनाव जीत गई थी। शोभारानी कुशवाहा के परिजनों पर ढाई सौ करोड़ का चिटफंड घोटाला करने का भी आरोप लगा हुआ है। जिसके चलते उनके पति व देवर जेल की हवा भी खा चुके हैं। भाजपा राजस्थान में 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद से सभी बड़े चुनावों में हार रही है। राजस्थान में चार सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर ही बीजेपी जीत सकी। इस चुनाव में कांग्रेस की दो और बीजेपी की एक सीट पक्की थी। चौथी सीट के लिए मुकाबला था। लेकिन बीजेपी चुनावी प्रबंधन में कांग्रेस से बाजी हार गई। क्रॉस वोटिंग ने भी भाजपा को चिंता में डाल दिया है। इससें पूर्व जून 2020 को राजस्थान में 3 सीटों पर हुए राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी अपने दो प्रत्याशी जिताने में कामयाब रही थी। जबकि बीजेपी के राजेन्द्र गहलोत ही जीत दर्ज कर सके थे। भाजपा के दूसरे प्रत्याशी ओंकार सिंह लखावत को मात्र 20 वोट मिल थे। उस वक्त भाजपा का एक वोट रिजेक्ट हो गया था तथा 2 वोट अनुपस्थित रहे थे। 28 जनवरी 2019 में अलवर जिले की रामगढ़ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी साफिया जुबेर खान ने भाजपा के सुखवंत सिंह को 12 हजार 228 मतों से हराया था।

24 अक्टूबर 2019 को राजस्थान के मंडावा और खींवसर सीट के विधायको के सांसद बनने से हुए उपचुनाव में मंडावा से कांग्रेस की रीटा चौधरी और खींवसर से बीजेपी की सहयोगी आरएलपी के नारायण बेनीवाल ने जीत दर्ज की थी। 2018 में हुए चुनाव में मंडावा सीट से बीजेपी के नरेन्द्र खीचड़ व खींवसर सीट आरएलपी के हनुमान बेनीवाल जीते थे। उदयपुर की वल्लभनगर और प्रतापगढ़ की धरियावद विधानसभा सीटों पर 30 अक्टूबर 2021 को हुए उपचुनाव में दोनों सीटें कांग्रेस ने जीतीं। कांग्रेस के नगराज मीणा की धरियावद में जीत हुई। बीजेपी के खेत सिंह तीसरे नम्बर पर रहे। वल्लभनगर में कांग्रेस की प्रीति शक्तावत 20 हजार से ज्यादा वोटों से जीतीं। वहां बीजेपी के हिम्मत सिंह झाला की जमानत तक जब्त हो गई थी। सहाड़ा, सुजानगढ़ और राजसमंद में हुए विधानसभा उपचुनाव के नतीजे 2 मई 2021 को आए। जिसमें सहाड़ा से कांग्रेस की गायत्री त्रिवेदी, सुजानगढ़ में कांग्रेस के मनोज मेघवाल और राजसमंद से भाजपा की दीप्ति माहेश्वरी ने जीत दर्ज की थी।

प्रसंगतः जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, 'युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं। लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए।' कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गई। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा: देवेन्द्र बबली

-वरिष्ठ नागरिक परिषद की बैठक में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री

फतेहाबाद, (हि.स.)। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र सिंह बबली ने कहा कि असली पूजा बुजुर्गों का सम्मान व माता-पिता के चरणों में होती है। बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा है। वृद्धजनों से हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सदैव मार्गदर्शन मिलता है। वे रविवार को टोहाना सीनियर सिटीजन के सहयोग से सीनियर सिटीजन काउंसिल हरियाणा द्वारा पहली बार वरिष्ठ नागरिक परिषद की त्रैमासिक बैठक में बोल रहे थे। कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि 36 बिरादरी के लोगों ने अपना जनप्रतिनिधि चुनकर विधानसभा में भेजकर समाज के लोगों की सेवा करने का मौका दिया, उसके लिए आप सब का आभारी रहूंगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में बुजुर्गों की सदा आवश्यकता महसूस की जाती है। वरिष्ठजनों के अनुभव से आने वाली पीढ़ी को आशीर्वाद के तौर पर लाभ मिलता है। एक समृद्ध राष्ट्र युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठजनों के अनुभव से ही समाज और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश में सर्वाधिक युवा है, बुजुर्ग उन्हें मार्गदर्शन देते रहें तो भारत को अग्रणी देश बनाया जा सकता है। कैबिनेट मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि जागो दिशा संगठन के माध्यम से अपने बुजुर्गों को सम्मान दिलाने का काम किया। बुजुर्गों का सम्मान हमारी पारिवारिक जिम्मेदारी के साथ-साथ नैतिक जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों द्वारा रखी गई मांगे जैसे वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत के अंतर्गत शामिल करने, जिला स्तर पर कम दाम में प्लाट दिलवाना, 11 लाख रुपये अनुदान व हरियाणा रोडवेज में महिला व पुरुष को सम्मान आरक्षण सहित सभी मांगों को मुख्यमंत्री मनोहर लाल के समक्ष रख कर पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के मौलिक अधिकार दिलवाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहूंगा। इस अवसर पर प्रधान शशि भूषण, सचिव रामजीलाल, उप प्रधान गोपाल दत्त शर्मा, जोगीराम, चुडिया राम, ओम प्रकाश अरोड़ा, धर्मपाल गुप्ता, सतपाल जैन, एसपी आर्य, एके चावला, दयानंद सिंगला, एसपी भारद्वाज, सुभाष गोयल, रमेश गोयल, नेतराम डाबला, बलदेव ठेकेदार, मोंटू अरोड़ा, डॉ. नरेश, शमशेर चोपड़ा, उमेश बंसल, सतबीर अवनीश वालिया सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे।

नवनिर्वाचित नप चेयरमैन बावा ने लिया अभय चौटाला से आशीर्वाद

सिरसा, (हि.स.): रानियां नगरपालिका के नवर्निवाचित चेयरमैन मनोज सचदेवा उर्फ बावा रविवार को तेजाखेड़ा फार्म हाउस पर इनेलो जिलाध्यक्ष कश्मीर सिंह करीवाला के नेतृत्व में इंडियन नेशनल लोकदल के प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला से आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस अवसर पर अभय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेशभर में केवल इनेलो ही एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है जिसमें सभी वर्गों के हित समाहित हैं क्योंकि चौधरी देवीलाल ने इनेलो की नींव ही सभी वर्गों के कल्याण के लिए रखी थी और पार्टी इस सिद्धांत की पूरी परिपालना कर रही है। नवनिर्वाचित रानियां नगरपालिका के चेयरमैन मनोज सचदेवा उर्फ बावा व उनके साथ आए अनेक गणमान्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला ने कहा कि रानियां में हुए निकाय चुनावों में आए परिणामों ने यह साबित कर दिया है कि सभी वर्गों का कल्याण केवल इनेलो ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा जजपा गठबंधन सरकार की नीतियों से आज पूरा हरियाणा ही परेशान है और इससे छुटकारा चाहता है। उन्होंने कहा कि रानियां व डबवाली नगरपरिषद के निकाय चुनावों ने यह साबित कर दिया है कि मतदाताओं में इनेलो का ग्राफ कहीं अधिक बढ़ा है। उन्होंने नवनिर्वाचित रानियां नगरपालिका के चेयरमैन मनोज सचदेवा को उनकी जीत पर बधाई देते हुए कहा कि वे अपनी पूरी टीम के साथ शहर के विकास व लोगों के नगरपालिका से संबंधित सभी कार्यों को प्राथमिकता से करवाएं ताकि आमजन को सुविधा मिले। इस अवसर पर उनके साथ सुभष नैन, विरयाम चन्द, गुरजंट सिंह, पवन बठला, हरपाल सिंह, जंगिर पप्पू पूर्व एम सी, बलराज घुमन, अमरजीत, जोनटी, मंजीत सिंह, जरनैल चंदी, रमन मेहता आदि गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

देश की वायुसेना अंतरिक्ष में भी अपना जलवा बिखरने को तैयार: ओपी धनखड़

गुरुग्राम, (हि.स.)। रविवार को एक महीने में दूसरी बार गुरुग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के लिए पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार जताया। ओमप्रकाश धनखड़ ने प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को उनके अब तक के अमृत पथ की एक यात्रा बताया। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम नवनीत की तरह है, जो हर दिन हम सब देशवासियों की ताजगी का अहसास देती है। प्रसारित कार्यक्रम मन की बात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार के कार्यक्रम में चरैवेति-चरैवेति कहावत की सटीक व्यख्या की है। प्रधानमंत्री मोदी ने हम सबका परिचय भारत की तरक्की और गतिविधियों से कराया है। श्री धनखड़ ने स्पेस में भारतीय वैज्ञानिकों और स्टार्टअप की गतिविधियों की जानकारी मन की बात के तहत प्रधानमंत्री मोदी से मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की अथक कार्य सेवा भाव का ही परिणाम है कि आज देश की वायुसेना आकाश ही नहीं, अंतरिक्ष में भी अपना जलवा बिखरने को तैयार है। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष धनखड़ व केंद्रीय मंत्री इंद्रजीत का कार्यक्रम के संयोजक पार्षद कुलदीप यादव, राजेंद्र यादव और जिलाध्यक्ष गार्गी कक्कड़, गुरुग्राम विधायक सुधीर सिंगला, जिला महामंत्री मनीष गाडोली व महेश यादव ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश के मंत्री बनवारी लाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता केके शर्मा, शहजाद पूनेवाला, राजीव जेटली, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष यादव, विधायक सत्यप्रकाश जरावता, प्रदेश मीडिया सह प्रमुख अरविंद सैनी, प्रदेश प्रवक्ता सूरजपाल अम्मू, आईटी हेड अरूण यादव मौजूद रहे। मीडिया सह-प्रमुख अरविंद सैनी ने बताया कि पिछले महीने राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ को अचानक फोन कर गुरुग्राम में मन की बात के 89वें कार्यक्रम को सुनने की इच्छा जताई थी तो प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर सरस्वती मंडल के 273 नंबर बूथ पर तुरंत शानदार कार्यक्रम आयोजित कर दिया गया। अब 90वां कार्यक्रम भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरुग्राम जिले में सुनने से जिले के कार्यकर्ता गदगद हैं। एससी मोर्चा के प्रशिक्षण शिविर में भी पहुंचे नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व ओपी धनखड़ मन की बात कार्यक्रम के बाद रविवार को पार्टी कार्यालय गुरुकमल में चल रहे एससी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर भी पहुंचे। तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर नड्डा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताया। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, प्रशिक्षण शिविर के राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार फुलवारिया, राष्ट्रीय महामंत्री संजय निर्मल, मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद कृष्ण पंवार आदि उपस्थित रहे।

बच्चों ने पोस्टर बना कर नशा छोड़ने का संदेश दिया

यमुनानगर,(हि.स.)। जिला बाल कल्याण परिषद यमुनानगर द्वारा रविवार को गांव दयालगढ़, बुढ़िया यमुनानगर में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार के विरोध का अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत गांव में बच्चो ने पोस्टर बनाकर नशा विरोधी वस्तुओं को छोड़ने का संदेश दिया। जिला बाल कल्याण अधिकारी यमुनानगर सुखमिंद्र सिंह द्वारा मुख्यालय के निदेर्शों में यह निश्चित किया गया कि जिन घरों में शराब का सेवन व नशीली वस्तुओं का सेवन करने वाले व्यक्ति हैं, उनके बच्चों को प्रेरित किया जाए कि वह इस प्रयास में अपनी कोशिश करें कि उनके संबंधित रिश्तेदार इन व्यसनों के सेवन को छोड़ दें। इसके लिए उन्होंने गांव दयालगढ़ व बुढ़िया में एक एनएसएस कार्यकर्ता के साथ मिलकर यह आयोजन किया। जिसमें बच्चों ने पोस्टर बनाकर यह संदेश दिया कि नशीली वस्तुओं का सेवन स्वास्थ्य के साथ-साथ घर के माहौल, आर्थिक स्थिति व सामाजिक प्रवेश सभी के लिए घातक है। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद अपनी जिला इकाइयों से इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम हमेशा करवाती आई हैं।

सर्व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करे युवा: नरेंद्र गुप्ता

-अग्रवाल वैश्य समाज ने किया यूपीएससी चयनित छात्र-छात्राओं को सम्मानित

फरीदाबाद, (हि.स.)। अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद द्वारा यूपीएससी में चयनित प्रत्याशी महक जैन, तरूण गोयल, अर्चिता मित्तल व आशिमा गोयल का सम्मान समारोह रविवार को वाईएमसीए मेट्रो स्टेशन के समीप होटल ग्रॉड हाईवे में किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक नरेन्द्र गुप्ता व पूर्व मंत्री विपुल गोयल ने अग्रवाल समाज के चारों बच्चों को स्मृति चिन्ह, बुक्के व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रदेश संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल ने किया। उपस्थित अग्रवाल वैश्य समाज के लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक नरेन्द्र गुप्ता ने समाज के सर्व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निवर्हन करें। अग्रवाल समाज व्यापार में हमेशा सर्वोपरि रहा है, लेकिन इस बार यूपीएससी जैसी परीक्षा में भी फरीदाबाद जिले में समाज के चार बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके लिए पूरा समाज बधाई का पात्र है और अग्रवाल वैश्य समाज ने जो सम्मान समारोह किया है। इससे आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। प्रदेश के पूर्व उद्योग मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि फरीदाबाद के चार बच्चों ने न सिर्फ अग्रवाल समाज, बल्कि 36 बिरादरी के मान-सम्मान को बढ़ाया है। अग्रवाल वैश्य समाज ने भी खुले मन से सभी बच्चों को सम्मानित करके उनका हौंसला अफजाई किया है। आने वाले समय में अपनी जिम्मेदारियों का कुछ इस तरह से निर्वहन करें की पूरा राष्ट्र आप पर गर्व करें। इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज फरीदाबाद के जिलाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, प्रदेश संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल, लोकसभा अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, पलवल जिलाध्यक्ष यशपाल गोयल, नरेन्द्र जैन, बिशनचंद बंसल, कैलाश गर्ग, सुनील गोयल, रमेश कृष्ण जिन्दल, योगेश सिंगला, योगेश गुप्ता, सुनील मंगला, धीरज गोयल, कपिल सिंगला, राजेन्द्र अग्रवाल, सुनीता बंसल, अर्चना गोयल, रीना अग्रवाल, अनम, गुलशन बंसल, अतुल सिंगला, जे.पी. अग्रवाल, अमरचंद मंगला, प्रदीप गुप्ता, विनोद अग्रवाल सहित समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

2024 में परिवारवाद व भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत होगा: कंडेला

जींद, (हि.स.)। सर्वजातीय पंचायतों के राष्ट्रीय संयोजक व जन कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला ने रविवार को कहा कि 2024 में हरियाणा व केंद्र में परिवारवाद व भ्रष्टाचार की राजनीति को लोग खत्म कर देंगे। देश व प्रदेश में लोग परिवारवाद व भ्रष्टाचार की राजनीति से तंग आ चुके हैं। टेकराम कंडेला ने कहा कि जींद शुरू से ही राजनीति का केंद्र बिंदु रहा है। सन 1986 से पूरे हरियाणा की राजनीति चलती है, सभी दलों के राजनेता अपने स्वार्थ पूरा करने के लिए जींद की भोलीभाली जनता वह हरियाणा की जनता को अपनी राजनीति के लिए प्रयोग करके अपने स्वार्थ सिद्ध करते हैं। आने वाले चुनाव में तीसरे विकल्प की नींव जींद में रखी जाएगी और पंजाब की तरह और पंजाब की तरह तीसरा विकल्प उभर कर आएगा। कंडेला ने कहा कि पंजाब सरकार ने पूर्व एमएलए और एमपी की पेंशन बंद करने का बहुत सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि यह योजना पूरे देश में लागू की जानी चाहिए। इससे जो पैसा बचेगा व देश के विकास कार्य में काम आएगा। कंडेला ने किसान आंदोलन पर बोलते हुए कहा कि किसानों के साथ केंद्र सरकार ने जो समझौता किया था सरकार को वह सभी मांगे तुरंत माननी चाहिए। कंडेला ने कहा कि आज हमारे देश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो चुकी है किसानों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार किसानों के सभी ऋण माफ करें। केंद्र सरकार स्वामीनाथन रिपोर्ट को पूरी तरीके से लागू करे। कसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जाएं और किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे समझौते के अनुसार तुरंत वापस लिए जाएं। इस मौके पर आभेराम कंडेला, हजूरा सिंह, राकेश चहल, सुभाष, प्रदीप शर्मा, भीरा दालमवाला आदि मौजूद रहे।

लाइन पार दो वार्डों के बच्चों के लिए स्कूल बनाने की मांग को लेकर चलाया हस्ताक्षर अभियान

जींद, (हि.स.)। जुलाना के लाइन पार वार्ड 12 और 13 में स्कूल की मांग को लेकर रविवार को हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर स्कूल की मांग की। कार्यक्रम में समाजसेवी आनंद लाठर ने कहा कि जुलाना की लाइनपार कालोनी में प्रतिवर्ष सेंकड़ों बच्चे शिक्षा से वंचित रहते हैं। लाइनपार कालोनी में दिहाड़ी मजदूरी करने वाले गरीब लोग ज्यादा रहते हैं और शिक्षा ग्रहण करने के लिए बच्चें को रेलवे लाइन क्रॉस करनी पड़ती है। ऐसे में अभिभावकों को रेलवे लाइन क्रास करते समय हादसा हो जाने का डर बना रहा हैं। इस कारण वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते। लाठर ने कहा कि जुलाना की लाइनपार दो नहीं बल्कि तीन वार्डों के लोग रहते हैं। जिसमें वार्ड नम्बर 12, 13 और 1 पड़ता हैं। यहां पर निम्न वर्ग के लोग अपना जीवन यापन दिहाड़ी, मजदूरी करके करते हैं। इससे केवल उनका रोजी रोटी का ही काम चलता है। जुलाना की पुरानी अनाजमंडी में बच्चों का प्राथमिक स्कूल हैं। यहां पर लाइनपार कालोनी के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए रेलवे लाइन को क्रॉस करना पड़ता है। कई बार तो बच्चों के स्कूल टाइम के दौरान यहां पर एक या दो मालगाड़ी खड़ी रहती हैं। लाठर ने बताया कि स्कूल में समय पर पहुंचने के लिए छोटे-छोटे बच्चे मालगाड़ी के नीचे से होकर गुजरते हैं। अगर इस दौरान कोई पैसेंजर या एक्सप्रैस गाड़ी की क्रॉसिंग होती है तो कोई भी बड़ा हादसा बच्चों के साथ घटित हो सकता है। जब कि जुलाना के रेलवे स्टेशन पर दूसरी तरह आने जाने के लिए कोई पुल की व्यवस्था भी नहीं हैं। लगभग साढ़े पांच हजार के करीब लोग लाइनपार बस्ती में रहते हैं। ऐसे में यहां पर प्राथमिक स्कूल होना अनिवार्य हैं। इसलिए वे प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर को एक मांग पत्र भेजकर जुलाना के वार्ड 1, 12 और 13 के बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूल बनवाने की मांग करेंगे। इस मौके पर उनके साथ पंजाबी सभा के प्रधान सुदर्शन चौटानी, जयनारायण रोहिल्ला, जनहित पर्यावरण सेवा समिति के प्रधान गुरदार मिस्त्री, सुरेन्द्र खटकड़ वकील, जगदीश नायक, राजेश नायक, वार्ड 13 के पार्षद रकेश, मनोज कुमार, मुकेश कुमार, रणबीर सहित काफ ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नशा समाज, युवाओं और देश को कर रहा है खोखला: नितिश अग्रवाल

फरीदाबाद, (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर रविवार को डसीपी मुख्यालय नितिश अग्रवाल के अध्यक्षता में सेक्टर-21ए स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में मीटिंग हुई। इस मीटिंग में सभी डीसीपी, एसीपी ,थाना प्रबंधक, क्राईम ब्रांच प्रभारी एवं फरीदाबाद के मौजिज व्यक्तियों ने इस नशा निषेध दिवस पर हिस्सा लिया। सभी ने शपथ ली कि वह नशा नहीं करेंगे और नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करेंगे। इस मौके पर डीसीपी मुख्यालय नितिश अग्रवाल ने कहा कि नशा मनुष्य, उसके घर व समाज को नष्ट करता है, इसके बावजूद कुछ लालची लोगों द्वारा नशे को बेचा जा रहा है जिसकी वजह से युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं, फरीदाबाद पुलिस कमिश्नर की पहल पर शहर के विभिन्न स्थानों पर पुलिस द्वारा फिल्म के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद पुलिस का अभियान है कि फरीदाबाद नशा मुक्त हो। नशा समाज, युवाओं और देश को खोखला कर रहा है। डीसीपी मुख्यालय ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस ने पिछले 10 महीने मे नशे के कारोबार से जुड़े 153 आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें से 68 को सजा दिलवाई गई है और नशे से अर्जित अवैध कमाई से बनाई गई करीब 4 करोड की प्रॉपर्टी भी अटैच की गई है। नशा मुक्त फरीदाबाद हो,, के इस अभियान में शहर के लोग बढ़ चढकर हिस्सा ले रहे हैं जिसमें आज फरीदाबाद के मौजिज लोगों ने नशा निषेध दिवस पर पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित मीटिंग में हिस्सा लिया और उन्होंने शपथ ली, कि वह अपने क्षेत्र में नशे से के कारोबार से जुड़े लोगों की सूचनाएं पुलिस को देंगे और जो युवा नशे की चपेट में आए हैं उनको नशे के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक करेंगे। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा और इस नशीले पदार्थ के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिक से अधिक लोगों के दुख दर्द बांटने का प्रयास, विकास कार्यों का फीडबैक भी मिलता है - ऊर्जा मंत्री

बीकानेर, (हि.स.)। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि आमजन की समस्याएं सुनते हुए, इनका समयबद्ध निस्तारण करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निदेर्शानुसार प्रत्येक मंत्री द्वारा नियमित जनसुनवाई की जाती है। ऊर्जा मंत्री ने रविवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मंत्री द्वारा जयपुर तथा अपने जिले अथवा विधानसभा में आमजन से मुलाकात करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के प्रयास किए जाते हैं। इसी श्रंखला में उनका प्रयास भी अधिक से अधिक लोगों के दुख दर्द बांटने का रहता है। उन्होंने कहा कि इससे विकास कार्यों का फीडबैक भी मिलता है और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के कारण आमजन का सरकार के प्रति विश्वास और अधिक बढ़ा है। आज सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं। जरूरतमंद लोगों को इनसे संबल मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में कोलायत विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में रिकॉर्ड कार्य हुए हैं। इस गति को आगे भी बरकरार रखते हुए स्थानीय लोगों के लिए सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाएगा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने जीएसएस स्थापित करवाने, स्कूलों में नए संकाय प्रारंभ करवाने, जल जीवन मिशन के तहत कार्य शीघ्र पूर्ण करवाने सहित राजस्व से जुड़ी परिवेदनाएं दी। ऊर्जा मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को इनके त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया।इससे पहले ऊर्जा मंत्री ने अपने आवास पर भी आमजन से मुलाकात की तथा इनकी समस्याएं सुनी।

राजस्थान में छा सकता है अंधेरा: किसानों ने दिया थर्मल प्लांट की कोयला सप्लाई रोकने का अल्टीमेटम

श्रीगंगानगर, (हि.स.)। पानी की मांग पर किसानों ने सूरतगढ थर्मल पावर प्लांट का घेराव कर लिया है। हजारों किसान प्लांट के चारों तरफ जुट गए हैं। सैकड़ों ट्रैक्टरों में हजारों किसान यहां जुटे हुए हैं। इलाके के किसान लम्बे समय से सिंचाई के पानी की मांग कर रहे हैं। इसी को लेकर थर्मल प्लांट का शनिवार को घेराव कर लिया गया। बड़ी संख्या में किसानों ने थर्मल के गेट पर सभा की। महिलाएं भी मौजूद रही। आसपास के गांवों से बड़ी तादाद में किसान ट्रैक्टर ट्रालियों और गाड़ियों में भरकर थर्मल गेट पर पहुंचे। किसानों के थर्मल घेराव के ऐलान के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट सूरतगढ तहसीलदार हाबूलाल मीणा और सूरतगढ डीएसपी शिवरतन गोदारा, डीएसपी विक्की नागपाल स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। माइनर निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों से दोपहर 2 बजे प्रशासन ने वार्ता की पेशकश की, जिसे किसान नेताओं ने ठुकरा दिया। इसके बाद किसान नेताओं ने जिला कलेक्टर से वार्ता करने की मांग रखी। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने जिला कलेक्टर से वर्चुअल बैठक की बात कही, लेकिन किसान नेता धरनास्थल पर ही वार्ता की मांग दोहराते रहे। इससे पहले आज की बैठक को भाजपा के पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया, किसान मजदूर संघर्ष समिति के रणजीत सिंह राजू, सन्तवीर सिंह मोहनपुरा, ओम राजपुरोहित, मोहन पूनिया, राकेश बिश्नोई, रामू छिम्पा, लक्ष्मण शर्मा, नरेंद्र घिंटाला और अन्य ने संबोधित किया। वक्ताओं ने राज्य सरकार पर पूर्व में हुए समझौते के उल्लघंन के आरोप लगाए। इसके बाद एटा-सिंगरासर माईनर निर्माण आंदोलन के दौरान किसान वार्ता की संभावना न होते देख थर्मल के घेराव के लिए नारेबाजी करते हुए सभा स्थल से रवाना हुए।

महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य, सुरक्षा और पोषण केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: डॉ. महेन्द्र भाई

जयपुर, (हि.स.)। केंद्रीय महिला और बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मुंजपरा महेन्द्रभाई ने कहा है कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पोषण को ध्यान में रखते हुए पिछले आठ साल में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुंजपरा रविवार को जयपुर में महिला और बाल विकास के क्षेत्र में पिछले आठ साल की उपलब्धियों पर आयोजित जोनल मीट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लिंग आधारित हिंसा को रोकने के लिए वन स्टॉप सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही कामकाजी महिलाओं के लिए महिला छात्रावास बनाए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण का निर्माण करने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। डा. महेंद्रभाई ने कहा कि ट्रिपल तलाक के फैसले और बालिकाओं के विवाह की आयु 18 से बढ़ाकर 21 साल के करने के प्रस्ताव ने महिलाओं की स्वायत्तता और स्वतंत्रता के लिए नए द्वार खोले हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना की 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। राज्य की महिला और बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने कहा कि प्रदेश में एक लाख 36 हजार ड्रॉप आउट बालिकाओं को वापस स्कूल से जोड़ा गया है, साथ ही 65 हजार महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी मातृत्व पोषण योजना को जल्द ही पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। भूपेश ने कहा की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कोविड के समय महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के तहत 30 लाख महिलाओं को सैनेट्री नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे है। कार्यक्रम में महिला और बाल विकास मंत्रालय के सचिव इंदेवर पांडे ने पिछले आठ साल की उपलब्धियों और विभिन्न योजनाओं में किए गए बदलावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा की देश की 68 प्रतिशत आबादी महिलाओं और बच्चों की है। ऐसे में देश के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं की गुजरात और राजस्थान की महिलाओं लाभार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। इस मीट में केंद्र सरकार के अलावा राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश के जनप्रतिनिधियों, एनजीओ के प्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने भाग लिया।

स्पेन-मोरक्को की सीमा में भगदड़ से मरने वाले अफ्रीकी प्रवासियों की संख्या हुई तेईस

मैड्रिड / रबात, (हि.स.)। स्पेन के उत्तर अफ्रीकी एन्क्लेव मेलिला से सटी मोरक्को की सीमा पर घुसने की कोशिश कर रहे अफ्रीकी प्रवासियों और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के बीच दो घंटे की झड़प के दौरान मची भगदड़ में मरने वाले अफ्रीकी प्रवासियों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। यह जानकारी अमेरिका के एक प्रमुख अखबार ने रविवार को मोरक्को के अधिकारियों से हुई बातचीत के आधार पर दी है। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को मोरक्को और स्पेन के अधिकारियों के हवाले से जारी रिपोर्ट में कहा था कि करीब दो हजार अफ्रीकी प्रवासियों ने शुक्रवार को सीमा पर एक ऊंचे लोहे के बाड़ पर धावा बोल दिया। इस कारण सुरक्षा बलों के साथ झड़पें हुई। इस दौरान वहां मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। 133 प्रवासी मोरक्को के नाडोर शहर और मेलिला के बीच की सीमा को पार करने में सफल रहे। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने स्पेन और मोरक्को के बीच राजनयिक संबंधों में सुधार के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में अफ्रीकी प्रवासियों के सीमा पार करने की घटना सामने आई थी। मेलिला में स्पेन सरकार के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा था कि लगभग 2,000 लोगों ने सीमा पार करने का प्रयास किया। कइयों को स्पेनिश सिविल गार्ड पुलिस और मोरक्को के सुरक्षाबलों ने बाड़ के दोनों ओर रोक दिया। लोहे की बाड़ पर चढ़ने की कोशिश के दौरान भगदड़ मच गई। इससे पांच प्रवासियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 76 प्रवासी और मोरक्को के 140 सुरक्षा अधिकारी घायल हो गए। मोरक्को की सरकारी समाचार एजेंसी एमएपी ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया था कि घायल प्रवासियों में से 13 की बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो पर पहुंच गई। उधर, मोरक्को के मानवाधिकार संघ ने इस भगदड़ में 27 लोगों की मौत होने का दावा किया है। अमेरिका के अखबार न्यूयार्क टाइम्स ने मोरक्कों के अधिकारियों के हवाले से रविवार को कहा है कि भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर तेईस हो गई है। स्पेन के अधिकारियों ने कहा कि 49 सिविल गाड्र्स को मामूली चोट आई हैं। कुछ प्रवासियों ने पथराव कर पुलिस के चार वाहन क्षतिग्रस्त कर दिए। अधिकारियों के अनुसार, जो लोग सीमा पार करने में सफल रहे, वे एक स्थानीय प्रवासी केंद्र पहुंचे हैं। वहां उनकी परिस्थितियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गरीबी और हिंसा की वजह से अफ्रीका से पलायन करने वाले लोग कभी-कभी यूरोप में घुसने के लिए बड़े पैमाने पर उत्तरी अफ्रीकी तट, मेलिला और स्पेन के अन्य क्षेत्रों तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। प्रवासियों को सीमा से दूर रखने के लिए स्पेन, मोरक्को पर निर्भर है। स्पेन के अधिकारियों के मुताबिक, मार्च की शुरूआत में दो दिनों में 3,500 से अधिक लोगों ने मेलिला में लगे छह मीटर ऊंचे अवरोधक को पार करने की कोशिश की थी और लगभग 1,000 इसे पार करने में सफल भी रहे थे।

बांग्लादेश में हिंदू शिक्षक को पहनाई जूतों की माला, पुलिस तमाशा देखती रही

ढाका, (हि.स.)। बांग्लादेश में नाराइल सदर उप जिला स्थित मिजार्पुर यूनाइटेड कॉलेज के प्रिंसिपल को जूतों की माला पहनाकर ले जाने से लोग नाराज हैं। यह वाकया 17 जून का है। हैरानी यह है कि पुलिस तमाशबीन बनी रही। बताया गया है कि इस कालेज के एक छात्र ने भाजपा नेत्री नूपुर शर्मा की तस्वीर फेसबुक पर पोस्ट की थी। अगले दिन कॉलेज में उससे कुछ मुस्लिम छात्रों ने पोस्ट डिलीट करने को कहा। इस पर अफवाह फैल गई कि प्रिंसिपल ने छात्र का पक्ष लिया है। नाराज मुस्लिम छात्रों ने दो शिक्षकों की मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया। इसके बाद मुस्लिम छात्रों और स्थानीय लोगों ने मजहब के अपमान का आरोप लगाते हुए प्रिंसिपल स्वपन कुमार विश्वास के गले में जूतों की माला डाल दी और उन्हें काफी दूर तक घसीटा। इस दौरान पुलिस तमाशा देखती रही। फेसबुक पर यह घटना वायरल हुई है। इस घटना के विरोध में सोमवार दोपहर ढाका के शाहबाग में रैली का आह्वान किया गया है। रैली के आयोजकों में से एक राबिन अहसान ने कहा- "उस घटना में शिक्षकों की कोई भूमिका नहीं है। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। प्रशासन कट्टरपंथियों के हाथ में आ गया है। नाटककार जुल्फिकार चंचल का कहना है कि प्रिंसिपल विश्वास का दोष सिर्फ इतना है कि उन्होंने नूपुर शर्मा की तस्वीर पोस्ट करने वाले छात्र के खिलाफ पुलिस को फोन किया था। विरोध करने वाले मुस्लिम छात्र मांग कर रहे थे कि मौके पर ही उसे सजा दे दी जाए। इस घटना के बाद प्रिंसिपल किसी के संपर्क में नहीं हैं। आशंका है दहशत की वजह से उन्होंने अपना घर छोड़ दिया है। नाराइल सदर पुलिस स्टेशन के ओसी मोहम्मद शौकत कबीर का कहना है कि - प्रिंसिपल ने किसी धर्म का अपमान नहीं किया। उस दिन उन्हें बचाने के लिए पुलिस ने अपने घेरे में ले लिया था। उन्होंने कोई गलती नहीं की। इसलिए उनके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। अगर वह सुरक्षा मांगते हैं तो उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाएगी।"

हत्या की अफवाहों के बीच इमरान के बेडरूम में जासूसी डिवाइस लगाने की कोशिश में सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हत्या की अफवाहों के बीच बानी गाला का एक कर्मचारी उनके कमरे में जासूसी डिवाइस लगाने की कोशिश करता पकड़ा गया है। इस कर्मचारी को पूर्व प्रधानमंत्री के बेडरूम में उपकरण लगाने के लिए पैसे दिए गए थे। एक दूसरे कर्मचारी ने यह सूचना सुरक्षा टीम तक पहुंचा दी, जिसके बाद जासूसी के प्रयास को विफल कर दिया गया। बानी गाला सुरक्षा दल ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान की जासूसी करने की कोशिश की सूचना मिलने पर कर्मचारी को हिरासत में लेकर संघीय पुलिस के हवाले कर दिया है। उल्लेखनीय है कि यह घटनाक्रम पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हत्या की साजिश रचने की अफवाहों के बीच सामने आया है। इससे पहले इस खतरे को देखते हुए शहर के बानी गाला के आसपास के इलाकों में सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। पीटीआई के कई लोग दावा कर रहे हैं कि इमरान खान की जान को खतरा है। पीटीआई नेता शहबाज गिल ने कहा कि इस संबंध में हमने सरकार समेत सभी संबंधित एजेंसियों को सूचित कर दिया है। गिल ने दावा किया कि कर्मचारी पूर्व पीएम के कमरे की सफाई करता है। उसे जासूसी उपकरण लगाने के लिए भुगतान किया गया था। यह जघन्य और दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारे लोगों को जानकारी हासिल करने के लिए धमकाया जा रहा है। इस तरह की शर्मनाक हरकतों से बचना चाहिए। गिरफ्तार' कर्मचारी ने कई खुलासे किए हैं, जिन्हें फिलहाल साझा नहीं किया जा सकता है।" गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने इससे पहले 23 जून को इमरान खान को जान से मारने की धमकी देने के दावों को खारिज कर दिया था। आंतरिक मंत्री ने कहा कि इमरान खान के खिलाफ कोई खतरे की चेतावनी नहीं है। इमरान खान को उसी स्तर पर सुरक्षा और प्रोटोकॉल की पेशकश की जा रही है, जब वह प्रधानमंत्री थे। इससे पहले, इमरान खान के भतीजे हसन नियाजी ने कहा कि अगर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख को कुछ भी होता है, तो इस कृत्य को पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा।

यूक्रेन में मारियुपोल के बाद दूसरे बड़े शहर सेवेरोडोनेत्स्क पर भी रूसी सैनिकों ने किया कब्जा

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में रूस के राष्ट्रपति पुतिन की सेना ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। रूसी सेना ने सेवेरोडोनेत्स्क पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। पूर्वी यूक्रेन के शहर के मेयर ने इसकी जानकारी दी है। रणनीतिक शहर और यूक्रेनी प्रतिरोध के प्रतीक को बचाने के लिए कई हफ्तों की लड़ाई के बाद यह जंग के मैदान में यूक्रेन के लिए एक बड़ा झटका है। रूसी मिसाइलों ने शनिवार को यूक्रेन के पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को भी निशाना बनाया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप की सबसे बड़ी लड़ाई अपने पांचवें महीने में प्रवेश कर चुकी है। अब तक दोनों पक्षों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है, लेकिन न ही यूक्रेन घुटने को तैयार है और न ही रूस पीछे हटने का इरादा रखता है। वेरोडोनेत्स्क शहर कभी 1,00,000 लोगों का घर था जिसे रूसी सेना ने अब मलबे के ढेर में बदल दिया है। पिछले महीने मारियुपोल पर कब्जे के बाद यह पुतिन के लिए युद्ध में बड़ी कामयाबी है। शहर के मेयर ऑलेक्जेंडर स्ट्रायुक ने नेशनल टेलीविजन पर कहा शहर अब पूरी तरह से रूस के कब्जे में है। उन्होंने कहा कि कोई भी जो पीछे छूट गया है, अब यूक्रेनी कब्जे वाले इलाके में नहीं पहुंच सकता क्योंकि शहर पूरी तरह कट चुका है। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कहा कि शहर के अजोट केमिकल प्लांट को प्रतिरोध का एक और केंद्र बनाने का यूक्रेनी प्रयास विफल हो गया। उन्होंने कहा सफल आक्रामक अभियानों के चलते, लुहान्स्क की मिलिशिया ने रूसी बलों की मदद से सेवेरोडोनेत्स्क और बोरिवस्के शहरों को पूरी तरह आजाद करा लिया है।

मारियुपोल और सेवेरोडोनेत्स्क के बाद अब रूस और अधिक यूक्रेनी शहरों पर कब्जा करने की ओर बढ़ रहा है। सेवेरोडोनेत्स्क पर कब्जे को रूसी सेना युद्ध में शुरूआती असफलता के बाद एक बड़ी कामयाबी के रूप में देख रही है। रूसी हमले से पहले सेवेरोडोनेत्स्क की आबादी करीब 10 लाख थी, जो अब घटकर मात्र 10 हजार रह गयी है। बड़ी संख्या में लोग शहर से पलायन कर चुके हैं। लगभग 500 नागरिकों के साथ, कुछ यूक्रेनी सैनिक शहर के किनारे पर विशाल एजोट रासायनिक कारखाने में छिपे हुए थे।

रूस के खिलाफ गठबंधन मजबूत करने के लिए 5 दिन की यात्रा पर यूरोप जा रहे हैं राष्ट्रपति बाइडन

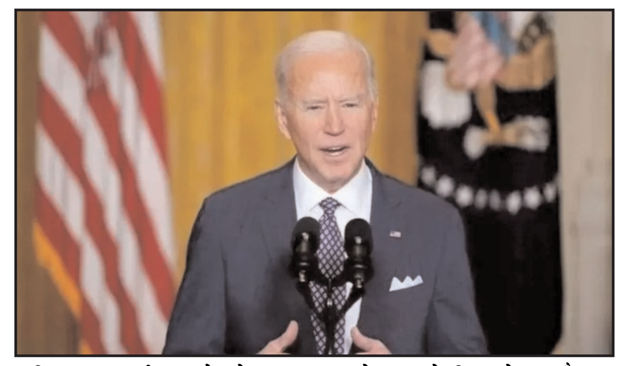

वाशिंगटन(ईएमएस)। राष्ट्रपति जो बाइडन यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस को दंडित करने के लिए निर्मित वैश्विक गठबंधन को बनाए रखने के लिए तैयार हैं। इस सिलसिले में वह यूरोप की 5 दिन की यात्रा पर जा रहे हैं, क्योंकि 4 माह पुराने रूस-यूक्रेन युद्ध के समाप्त होने के कोई संकेत नहीं हैं, इससे वैश्विक खाद्य व्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति की समस्या गंभीर होती जा रही है। बाइडन पहले जर्मनी के बवेरियन आल्प्स में 7 प्रमुख आर्थिक शक्तियों के समूह की बैठक में शामिल होंगे और बाद में 30 नाटो देशों के नेताओं के साथ एक शिखर सम्मेलन के लिए मैड्रिड रवाना होंगे। उनकी यह यात्रा यूक्रेन को मजबूत करने और रूस को उसकी आक्रामकता के लिए दंडित करने के लिए वैश्विक गठबंधन के रूप में हो रही है। इस संघर्ष के कारण खाद्य और ऊर्जा की कीमतें आसमान छू रही हैं। इसके पहले रूस के हमला शुरू करने के कुछ ही हफ्तों बाद मार्च में बाइडन की यूरोप यात्रा के बाद से यूक्रेन युद्ध अधिक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर गया। उस समय वह ब्रसेल्स में सहयोगियों से मिले, क्योंकि यूक्रेन में नियमित बमबारी हो रही थी। उन्होंने पोलैंड में पूर्वी यूरोप के भागीदारों को आश्वस्त करने की कोशिश की कि उन्हें मास्को की घुसपैठ का सामना नहीं करना पड़ेगा। अमेरिका के सहयोगियों में इस बात पर मतभेद है कि उनका लक्ष्य केवल शांति बहाल करना है या रूस को संघर्ष की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए एक गहरी कीमत चुकाने के लिए मजबूर करना है। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हर देश अपने लिए बोलता है, हर देश को चिंता होती है कि वे क्या करने को तैयार है या नहीं हैं। जहां तक गठबंधन की बात है, यह वास्तव में पहले कभी इतना अधिक मजबूत और व्यवहार्य नहीं रहा, जितना की आज है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की वीडियो के जरिये दोनों शिखर सम्मेलनों को संबोधित करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका और सहयोगियों ने उनके देश को अरबों डॉलर की सैन्य सहायता भेजी है और आक्रमण को लेकर रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं।

वायजर यान की बैट्री सालों बाद होने लगी है खत्म

-स्पेस क्राफ्ट हमेशा के लिए खोने वाला है इंसानों से संपर्क

वाशिंगटन (ईएमएस)। नासा ने दो वॉयजर अंतरिक्ष यान लॉन्च किए गए थे। अमेरिकी एजेंसी ने 1977 में फ्लोरिडा के केप कैनावरल से वॉयजर अंतरिक्ष यान को लॉन्च किया था। जिसमें एक यान की बैट्री अब खत्म होने लगी है। वॉयजर-1यान और वॉयजर दो यान बृहस्पति और शनि ग्रह की करीब से स्टडी करने के लिए बनाए गए थे। लेकिन वॉयजर उम्मीद से ज्यादा आगे निकले हैं। उन्होंने यूरेनस और नेपच्यून ग्रहों की भी स्टडी की। कोई भी चीज हमेशा नहीं रह सकती और वायजर की बैट्री भी अब इतने साल बाद खत्म होने लगी है। जिसके कारण ये स्पेस क्राफ्ट हमेशा के लिए इंसानों से संपर्क खोने वाला है। 44 साल बाद अब नासा ने इसके एक-एक सिस्टम को बंद करना शुरू कर दिया है, जिससे आने वाले कुछ सालों में ये पूरी तरह बंद हो जाएगा। वॉयजर को जिस काम के लिए बनाया गया था वह 1990 में ही पूरा हो गया था, लेकिन अंतरिक्ष यान धरती पर महत्वपूर्ण डेटा भेजते रहे। वॉयजर 1 और 2 यान पृथ्वी से 14 अरब किमी दूर की यात्रा कर चुके हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक राल्फ मैकनट ने कहा कि 44.5 साल से वायजर काम कर रहे हैं। हमें जितनी उम्मीद थी उससे 10 गुना ज्यादा काम हम वायजर से ले चुके हैं। वायजर को बनाने में अपनी भूमिका निभाने वाले डोनाल्ड गर्नेट बताते हैं, 'हम हमेशा दो अंतरिक्ष यान लॉन्च करते थे क्योंकि उस समय मिशन फेल होने की संभावना ज्यादा होती थी। इसी वजह से दो वॉयजर विमान बनाए गए थे।' कैलटेक भौतिक विज्ञानी एलन कमिंग्स ने कहा कि, 'आज हमें ऐसा लगता है कि हम टेक्नोलॉजी के टॉप पर हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वॉयजर 1 और 2 में 69.3 किलोबाइट की मेमोरी है। इससे ज्यादा तो आज कार को खोलने वाली चाबियों में होती है।' वॉयजर को पावर कैसे मिलती है? वॉयजर यान किसी सोलर पैनल से नहीं चलता क्योंकि अगर ऐसा होता तो वह बहुत पहले ही सूर्य से दूर होने पर बंद हो चुका होता। अगर पहले से चार्ज बैट्री भेजी जाती तो ये संभव नहीं था, क्योंकि उससे विमान भारी हो जाता। दरअसर वॉयजर को रेडियोआइसोटोप थर्मोइलेक्ट्रिक जेनरेटर से पावर मिलती है। ये न्यूक्लियर एनर्जी होती है जो वॉयजर को पावर देती है। लेकिन अब लगातार न्यूक्लियर तत्व खत्म हो रहा है, जिससे वॉयजर को कम पावर मिल रही है। नासा ने एक बयान में कहा कि कम पावर के चलते वॉयजर की सिर्फ जरूरी चीजों को ही चालू रखा जाएगा।

आज का इतिहास 27 जून

- 1519 चार्ल्स प्रथम रोम के शासक बने.
- 1838 ब्रिटेन की रानी विक्टोरिया की वेस्ट मिनिस्टर एबे में ताजपोशी हुई.
- 1902 अमेरिका ने पनामा नहर बनाने का ठेका फ्रांस की एक कंपनी से हासिल कर लिया.
- 1932 थाईलैंड में नया संविधान लागू.
- 1943 अमेरिकी विमानों ने जर्मन अधिकृत एथेन्स पर हमला किया.
- 1964 तीन मूर्ति हाऊस नेहरू स्मारक संग्रहालय बना.
- 1967 भारत में निर्मित पहला यात्री विमान एवरों 748 इंडियन एयरलाइंस को सौंपा गया.
- 1989 चीन में लोकतंत्र आंदोलन में शामिल अनेक लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाया गया.
- 1993 अमेरिका ने इराकी खुफिया विभाग के कार्यालय पर टोम हाक क्रूज प्रक्षेपास्त्र दागे.
- 1995 प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव द्वारा टिहरी परियोजना की समीक्षा हेतु दिये आश्वासन के बाद पर्यावरणविद् सुंदरलाल बहुगुणा ने अनशन तोड़ा.
- 1997 पत्रकार और लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम आज तक के कार्यकारी निर्माता व प्रस्तुतकर्ता एस.पी.सिंह का निधन.
- 1998 पत्रकार निखिल चक्रवर्ती का निधन.

यूएई में अंतिम सांसें गिन रहे परवेज मुशर्रफ, परिवार समेत चुपके से मिलने पहुंचे पाक आर्मी चीफ बाजवा

दुबई (ईएमएस)। संयुक्त अरब अमीरात में अंतिम सांसें गिन रहे पाकिस्तान के पूर्व तानाशाह और कई मुकदमों में वांछित परवेज मुशर्रफ से मिलने के लिए सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा चुपके से दुबई गए थे। पाकिस्तानी मीडिया ने यह खुलासा किया है। यही नहीं जनरल बाजवा के साथ उनकी पत्नी और पाकिस्तानी सेना के शीर्ष डॉक्टर भी मौजूद थे। मुशर्रफ पर पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या करवाने समेत कई आरोप हैं और वह जेल से बचने के लिए साल 2018 से ही यूएई में रह रहे हैं। मुशर्रफ के परिवार ने जनरल बाजवा का स्वागत किया। मुशर्रफ अमाइलॉइडोसिस नामक बीमारी से जूझ रहे हैं। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के अनुसार यह अमाइलॉइडोसिस बीमारी पूरे शरीर के अंगों और ऊतकों में अमाइलॉइड नामक असामान्य प्रोटीन के निर्माण के कारण होती है। अगर इसका इलाज नहीं किया गया तो शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं। इससे पहले मुशर्रफ ने इच्छा जताई थी कि उन्हें पाकिस्तान जाने की अनुमति दी जाए। हालांकि इलाज की सही सुविधा नहीं होने की वजह से परिवार अभी उन्हें ले आने को तैयार नहीं है। मुशर्रफ को डारातुमुमैब दवा की जरूरत है, जो उन्हें पाकिस्तान में नहीं मिल पाएगी। पाकिस्तानी सेना और सरकार ने आश्वासन दिया है कि मुशर्रफ को स्वदेश वापसी करने दिया जाएगा। मुशर्रफ ने साल 1999 में नवाज शरीफ की सरकार का तख्तापलट करके पाकिस्तान पर कब्जा कर लिया था और साल 2001 से लेकर 2008 तक देश के राष्ट्रपति रहे थे। तानाशाह की वजह से कई साल तक निर्वासन झेलने वाले नवाज शरीफ ने भी दुश्मनी को भूलते हुए मुशर्रफ के वापसी का विरोध नहीं किया है। बता दें कि 17 दिसंबर 2019 को पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने मुशर्रफ को राजद्रोह के केस में दोषी पाया था और उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। इस सुनवाई को नवाज शरीफ ने शुरू कराया था। नवाज शरीफ साल 2013 में तीसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री चुने गए थे। जनरल मुशर्रफ पहले ऐसे आर्मी चीफ थे जिन्हें राजद्रोह का सामना करना पड़ा और इस पूरे मामले पर पाकिस्तानी सेना की नजर थी।

गंभीर बीमारियों से जूझ रहे बच्चों को कोरोना से मौत का खतरा

-22 महीने के दौरान किए गए अध्ययन से पता चला

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में पिछले 22 महीने के दौरान किए गए अध्ययन में पता चला है कि बच्चों में कोविड-19 से मौत होने का खतरा बहुत कम होता है। अध्ययन करने वाली टीम ने पाया कि कोरोना वायरस संक्रमण होने से उन बच्चों के गंभीर रूप से बीमार होने या मौत की आशंका ज्यादा है जो पहले से गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं। यह अध्ययन मार्च 2020 से दिसंबर 2021 तक कोविड-पॉजिटिव की वजह से बच्चों की हुई सभी मौतों का विश्लेषण कर किया गया था। हालांकि, इन आंकड़ों का अभी पीर रिव्यु किया जाना बाकी है।

लेखक यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी- सरकारी सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसीझलंदन यूनिवर्सिटी, पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड और एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट से जुड़े हैं। शोधकताओं ने मार्च 2020 से दिसंबर 2021 तक इंग्लैंड के एक्टिव नेशनल सर्विलांस डेटा का विश्लेषण किया। अध्ययन में कहा गया है कि इनमें से सिर्फ 81 मौतें (43,8 फीसदी) कोविड के कारण हुई थी। अध्ययन में पॉजिटिव रिपोर्ट आने के 100 दिनों के भीतर हुई मौतों को ही गिना गया था। एक्टिव नेशनल सर्विलांस किसी भी मामले की बारीकी से निगरानी करने के लिए जानी जाती है। कोविड के मामले में संक्रमण को ध्यान में रखकर आंकड़े तैयार किए गए थे। इस दौरान 20 साल से कम उम्र के 185 बच्चों और युवाओं की मौतें हुईं। ये सभी कोविड पॉजिटिव थे।

न्यूयार्क में गर्भपात कानून के समर्थक विरोध प्रदर्शन करते हुए। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 27 june 2022:Layout 1 6/26/2022 7:05 AM Page 5

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में फ्लैट बुक करने वाले ज्यादा प्रभावित

- 1.18 लाख करोड़ की 1.65 लाख इकाइयां ठप

नई दिल्ली (ईएमएस)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा की आवास परियोजनाओं में फ्लैट बुक करने वाले घर खरीदार सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां 1.18 लाख करोड़ रुपए की 1.65 लाख से अधिक इकाइयां ठप पड़ी हैं। संपत्ति सलाहकार एनरॉक ने यह जानकारी दी। एनरॉक ने अपने शोध में सात बड़े संपत्ति बाजारों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर), कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में 2014 या उससे पहले शुरू की गई आवास परियोजनाओं को शामिल किया। घर खरीदारों के शीर्ष निकाय फोरम फॉर पीपुल्स कलेक्टिव एफर्ट्स (एफपीसीई) ने कहा कि प्रत्येक परियोजना में देरी के कारणों का पता लगाया जाना चाहिए और समाधान किया जाना चाहिए। निकाय ने ग्राहकों को हो रही परेशानी पर चिंता जताई और डिफॉल्ट करने वाले बिल्डरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी की। एनरॉक के आंकड़ों के अनुसार 31 मई 2020 तक इन सात शहरों में 4,48,129 करोड़ रुपए की 4,79,940 इकाइयां ठप थीं या अत्यधिक देरी से चल रही थीं। इसमें से अकेले दिल्ली-एनसीआर की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जहां 1,81,410 करोड़ रुप, की 2,40,610 इकाइयां ठप हैं या देरी से चल रही हैं। एनरॉक ने दिल्ली-एनसीआर के आंकड़ों का विस्तृत ब्योरा देते हुए कहा कि एनसीआर क्षेत्र में कुल ठप या विलंबित इकाइयों में नोएडा और ग्रेटर नोएडा का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि गुरुग्राम का हिस्सा केवल 13 प्रतिशत है।

सरकार पीपीए बिना 8,000 मेगावाट की तापीय बिजली के लिए बोलियां आमंत्रित करेगी: बिजली मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। बिजली मंत्री आरके सिंह ने कहा कि सरकार पीपीए के बिना 8,000 मेगावाट तापीय बिजली क्षमताओं से तैयार बिजली की बिक्री के लिए राज्यों से बोलियां आमंत्रित करेगी। सिंह ने बताया कि भारत में कुल 8,000 मेगावाट की तापीय क्षमता, ऐसी है जिसके लिए कोई बिजली खरीद समझौता नहीं है। भारत में पीपीए के बिना उपलब्ध क्षमता से संबंधित एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि तापीय बिजली में 8,000 मेगावाट की ऐसी क्षमताएं हैं, जिनके पीपीए नहीं हैं। इस मुद्दे को हल करने के लिए सरकार की योजना के बारे में बताता हुए मंत्री ने कहा कि राज्यों को अपनी बिजली की जरूरत भेजने को कहा गया है और उसके अनुसार बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम पता करेंगे और बोलियां आमंत्रित करेंगे, जो भी सबसे कम बोली लगाएगा, उसके साथ पीपीए पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पीपीए पर हस्ताक्षर होने के बाद, उन्हें (राज्यों को) बिजली मिल जाएगी। सिंह ने कहा कि कुछ बिजली संयंत्र ऐसे हैं, जो एनसीएलटी की कार्रवाई के अधीन हैं, और सरकार ने इन संयंत्रों को जल्द से जल्द चालू करने के लिए बैंकरों के साथ बैठक करने सहित कई कदम उठाए हैं।

ओएनजीसी को पांच महीने के बाद एचपीसीएल बोर्ड में मिला निदेशक

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के बोर्ड में पांच महीने के बाद एक निदेशक मिल गया है। गौरतलब है कि ओएनजीसी ने 36,915 करोड़ रुपए में एचपीसीएल का अधिग्रहण किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 22 जून को एचपीसीएल के बोर्ड में निदेशक के रूप में ओएनजीसी के निदेशक (आफशोर) पंकज कुमार की नियुक्ति के लिए अपनी मंजूरी दी। पांच महीने से अधिक समय से ओएनजीसी का एचपीसीएल के बोर्ड में कोई प्रतिनिधि नहीं था। एचपीसीएल ने डेढ़ साल से अधिक समय तक ओएनजीसी को अपने प्रवर्तक के रूप में मान्यता नहीं दी थी, जबकि सरकार ने कंपनी में अपनी पूरी 51.11 प्रतिशत हिस्सेदारी उसे बेच दी थी। बाजार नियामक सेबी के हस्तक्षेप के बाद ही एचपीसीएल नरम पड़ी और ओएनजीसी को एक निदेशक नियुक्त करने का अधिकार मिला, जिसे एचपीसीएल ने सरकारी नामित निदेशक (ओएनजीसी का प्रतिनिधि) कहा। एचपीसीएल ने शेयर बाजार को बताया कि पंकज कुमार को 22 जून 2022 से कंपनी के बोर्ड में सरकारी निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

घरेलू कच्चा कोकिंग कोल 2030 तक 14 करोड़ टन पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोयला मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत कोयला मंत्रालय द्वारा किए गए परिवर्तनकारी उपायों के साथ घरेलू कच्चे कोकिंग कोल का उत्पादन वर्ष 2030 तक 14 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है। कच्चे कोकिंग कोल के उत्पादन को बढ़ाने के लिए केंद्र ने पिछले दो वर्षों में 2.25 करोड़ टन की पीक रेटेड क्षमता (पीआरसी) वाले 10 कोकिंग कोल ब्लॉकों की नीलामी निजी क्षेत्र को की है। इनमें से अधिकांश ब्लॉकों में वर्ष 2025 तक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। बयान के मुताबिक मंत्रालय ने चार कोकिंग कोल ब्लॉक की भी पहचान की है और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) अगले दो महीनों में चार से छह नए कोकिंग कोल ब्लॉक के लिए भूवैज्ञानिक भंडार (जीआर) को भी अंतिम रूप देगा। देश में घरेलू कच्चे कोकिंग कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए इन ब्लॉकों को निजी क्षेत्र को बेचा जा सकता है। घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मौजूदा खदानों से कच्चे कोकिंग कोल उत्पादन को 2.6 करोड़ टन तक बढ़ाने की योजना बनाई है और वित्त वर्ष 2024-25 तक लगभग दो करोड़ टन की अधिकतम क्षमता वाली नौ नई खदानों की पहचान की है। श ने वर्ष 2021-22 के दौरान 5.17 करोड़ टन कच्चे कोकिंग कोयले का उत्पादन किया, जो वित्त वर्ष 2020-21 के 4.48 करोड़ टन की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।

पिछले 11 सालों में इंफोसिस ने दिया 24 हजार करोड़ का रिटर्न!

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र की कंपनी इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2021-22 में 31 रुपए प्रति शेयर के कुल लाभांश के साथ 24,100 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत रिटर्न दिया है। इसके साथ 11,000 करोड़ रुपए की शेयर पुनखरीद भी की गई है। कंपनी के सह-संस्थापक एवं चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने कंपनी की 41वीं सालाना आम बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 असाधारण वृद्धि का साल रहा है जिसमें कंपनी को 19.7 फीसदी की दर से वृद्धि हासिल हुई। यह बीते 11 साल में कंपनी को मिली सबसे तेज वृद्धि है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 16 रुपए प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। इसके अलावा 15 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश भी है जिसे मिलाकर वित्त वर्ष 2021-22 में कुल लाभांश 31 रुपए प्रति शेयर हो गया है।

भारत ने अफगानिस्तान को 3,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने अफगान लोगों को मानवीय सहायता के तौर पर पाकिस्तानी जमीनी मार्ग के जरिए अफगानिस्तान को 3,000 मीट्रिक टन गेहूं की नई खेप भेजी। इस नई खेप के साथ ही भारत ने विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ साझेदारी में अफगानिस्तान को 33,500 मीट्रिक टन गेहूं भेजने का काम पूरा कर लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया भारत ने अफगानिस्तान को आज 3,000 मीट्रिक टन गेहूं की अगली खेप भेज दी। अफगान लोगों को मानवीय सहायता मुहैया कराने की हमारी प्रतिबद्धता अब भी दृढ़ है। उन्होंने कहा अभी भारत ने डब्ल्यूएफपी के साथ मिलकर अफगानिस्तान को 33,500 मीट्रिक टन गेहूं की खेप सफलतापूर्वक भेजी है।

नेक्स्ट जेनरेशन मारुति सुजुकी ब्रेजा लॉन्च

-मारुति वितारा एसयूवी, ह्यूंदै और महिंद्रा को देगी टक्कर

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेक्स्ट जेनरेशन मारुति सुजुकी ब्रेजा आगामी 30 जून को लॉन्च हो रही है। इसके बाद जल्द ही एक नई मिडसाइज एसयूवी मारुति विटारा भी लॉन्च होगी, जिसका मुकाबला सेगमेंट की बेस्ट सेलिंग ह्यूंदै क्रेटा के साथ ही महिंद्रा एक्सयूवी, अपकमिंग महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन, किआ सेल्टॉस, स्कोडा कुशाक और एमजी ऐस्टर समेत अन्य पॉपुलर एसयूवी से होगा। चलिए, आपको डिटेल में बताते हैं कि मारुति सुजुकी एस-क्रॉस के बाद कंपनी मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में क्या कुछ नया करने जा रही है? मारुति सुजुकी की अपकमिंग मिडसाइज एसयूवी मारुति विटारा को मारुति सुजुकी और टोयोटा के संयुक्त प्रयास से डिवेलप किया जाएगा और यह एसयूवी टीएनजीए-बी प्लैटफॉर्म पर बेस्ड होगी। मारुति विटारा के कल-पुर्जे अपकमिंग टोयोटा हाइराइडर जैसे ही होंगे। मारुति विटारा को नेक्सा डीलरशिप पर बेचा जा सकता है और मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह कंपनी की मौजूदा मिडसाइज एसयूवी एस-क्रॉस को रिप्लेस कर सकती है। इस एसयूवी को ऑल व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ पेश किया जाएगा। बाद बाकी इसके इंजन और पावर की बात करें तो इसमें 1.5 लीटर पेट्रोल के दो इंजन ऑप्शन होंगे, जो कि माइल्ड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सिस्टम से लैस होंगे। इस एसयूवी में 6 स्पीड मैनुअल, 6 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक और ई-सीवीटी गियरबॉक्स देखने को मिल सकते हैं। मारुति सुजुकी विटारा के संभाविक लुक और फीचर्स की बात करें तो इसमें कंपनी की सिग्नेचर ग्रिल, स्प्लिट हेडलैंप, एलईडी डीआरएल, बंपर में एयर डैम और फॉग लैंप के साथ ही मल्टी स्पोक अलॉय व्हील समेत कई एक्सटीरियर फीचर्स देखने को मिल रहे हैं। वहीं, फीचर्स की बात करें तो इसमें बड़े साइज का फ्लोटिंग टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट, हेड-अप डिस्प्ले, 360 डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड सीट्स, कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, ऑटोमैटिक एसी जैसे स्टैंडर्ड फीचर्स के साथ ही 6 एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट समेत कई सेफ्टी फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। मालूम हो कि इंडियन एसयूवी मार्केट में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में मारुति सुजुकी जोर-शोर से लगी हुई है। फिलहाल हैचबैक सेगमेंट में बादशाहत दिखा रही मारुति सुजुकी आने वाले समय में एक से बढ़कर एक एसयूवी लॉन्च करने वाली है।

ट्विटर नोट्स नाम के नए फीचर की कर रहा टेस्टिंग

- यूजर्स लिख सकेंगे लंबे लेख, शेयर कर सकेंगे लिंक भी

नईदिल्ली (ईएमएस)। ट्विटर ह्यनोट्सह्न नाम के एक नए फीचर की टेस्टिंग कर रहा है। इस फीचर से यूजर्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक लिंक के रूप में लंबे टेक्स्ट को शेयर कर सकेंगे। बता दें कि लॉन्ग-फॉर्म फीचर की टेस्टिंग लेखकों के एक छोटे ग्रुप द्वारा किया जा रहा है और ट्विटर ने इसके बड़े लेवल पर रोल-आउट पर को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। कंपनी के पास मौजूदा समय में ट्वीट्स पर 280-कैरेक्टर की सीमा है, इस फीचर की टेस्टिंग लगभग पांच साल पहले शुरू हुई थी। टेकक्रंच की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक ट्विटर नोटस फीचर की जानकारी सामने आई है। मालूम होता है कि यूजर्स इस फीचर की मदद से अब ट्विटर पर पहले से ईजी जैसे लंबे पोस्ट करने कर सकेंगे, और माना जा रहा है कि ये एक तरह का ब्लॉग पोस्ट होगा, जिसे यूजर ट्विटर पर पब्लिश कर सकेंगे, और पब्लिश करने के बाद आप इस लिंक को कहीं भी शेयर कर सकते हैं। बता दें कि अप्रैल में, ट्विटर ने यूजर्स को ये कहकर चौंका दिया था कि वह आने वाले महीनों में एक नई एडिट फीचर की टेस्टिंग शुरू कर देगा, जिसका इंतजार यूजर्स कई सालों से कर रहे हैं। इसकी डिटेल शोधकर्ता जेन मनचुन वोंग द्वारा शेयर की गई थी, जिन्होंने ट्वीट किया था कि एडिट बटन में अपरिवर्तनीय गुणवत्ता हो सकती है। उन्होंने कहा हमें अभी भी नहीं पता है कि आपके ट्वीट की एडिट हिस्ट्री पब्लिक के लिए फ्रंट-एंड पर कैसी दिखेगी। वोंग का कहना है कि शुरू में ये एडिट बटन सिर्फ ट्विटर ब्लू यूजर्स के लिए पेश कर सकता है, और आने वाले समय में किसी समय सभी के लिए ये सुविधा लाने की उम्मीद है। बता दें कि ट्विटर नोटस की पहली झलक इस साल मई में देखी गई थी, जब ऐप रिसर्चर जाने मेनचुन वांग ने ट्वीट पर इस फीचर का स्क्रीनशॉट शेयर किया था।

महिंद्रा थार 2022 वर्जन में अब दोनों हो गए बंपर ब्लैक

-महिंद्रा ने अब अपनी थार एसयूवी को इसी महीने किया अपडेट

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अब अपनी थार एसयूवी को इस महीने अपडेट किया है, जिसके बाद से यह और भी खास हो गई है। महिंद्रा थार 2022 वर्जन में अब दोनों बंपर ब्लैक हो गए हैं। इसके साथ ही सिएट कंपनी के टायर लगाए गए हैं। नई थार को अपग्रेड करते हुए कंपनी ने अब एक यूएसबी पोर्ट हटा दिया है। महिंद्रा थार 2022 के फीचर्स की बात करें तो मुख्य रूप से कॉस्ट कटिंग करते हुए कंपनी ने कुछ खूबियां हटाई हैं और इनमें यूएसबी चार्जर प्रमुख है। अब महिंद्रा थार में आपको एक ही यूएसबी चार्जर दिखेगा। पहले फ्रंट में दो यूएसबी पोर्ट दिखते थे। इसके साथ ही फ्रंट सीट में लगे अडजस्टेबल नॉब को भी अब हटा दिया गया है। अब महिंद्रा थार में आपको सीट क्रासड्राइव एटी टायर्स दिखेंगे। पहले इसमें एमआरएफ के टायर्स लगे थे। इन सबसे साथ ही जो एक और चीज साफ झलकती है, वो ये है कि महिंद्रा थार के फ्रंट और रियर में आपको अब ब्लैक बंपर दिखेंगे, जो कि बिना किसी पेंट के साथ हैं। तो ये रहे महिंद्रा थार की कुछ नए तो कुछ डिलिटेड फीचर्स। हालांकि, कंपनी ने थार को अपडेट करने करने के साथ ही कीमत में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। आपको बता दें कि भारत में महिंद्रा थार को एएक्स (ओ) और एलएक्स जैसे ट्रिम लेवल के कुल 10 वेरिएंट्स में पेश किया है, जिनकी कीमतें 13.53 लाख रुपये से लेकर 16.03 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक है। महिंद्रा थार को 2184 सीसी तक के डीजल और पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया गया है, जो कि मैनुअल के साथ ही ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में हैं। महिंद्रा थार के पेट्रोल और डीजल वेरिएंट्स की माइलेज 15.2 केएमपीएल तक की है। महिंद्रा एसयूवी लवर्स के लिए इस महीने अपनी नेक्स्ट जेनरेशन स्कॉर्पियो लॉन्च कर रही है, जो कि अपने लुक और फीचर्स से लोगों को दीवाना बना रही है। मालूम हो कि भारत में एसयूवी लवर्स जब भी ऑफ-रोडिंग की बात करते हैं तो उनके दिलों-दिमाग में सबसे पहले महिंद्रा थार का नाम आता है। इसकी वजह भी है, क्योंकि पावरफुल लुक और ढेर सारे फीचर्स से लैस महिंद्रा थार ऑफ-रोडिंग में जबरदस्त है और इसकी समय-समय पर बानगी भी दिखती रहती है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लांच की हीरो पैशन एक्सटेक

-इस बाइक में मिलेंगे कई एडवांस फीचर्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। हीरो मोटोकॉर्प कंपनी ने हीरो पैशन एक्सटेक को लॉन्च कर दिया है। पहली बार हीरो पैशन एक्सटेक में एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप दी गई हैं। कंपनी का दावा है कि पारंपरिक हलोजन लैंप की तुलना में हेडलैम्प यूनीट में अब 12 प्रतिशत लंबी बीम है, जबकि मोटरसाइकिल की व्यूजल अपील को भी बढ़ाता है जो 3 डी ब्रांडिंग और रिम टेप को भी सपोर्ट करता है हीरो पैशन एक्सटेक के इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसमें पहले की तरह 110 सीसी बीएस6 इंजन मिलता है, जो 8 बीएचपी की पावर और 9,79 एनएम का टार्क जनरेट करता है। हीरो एक्सटेक अब ब्लू बैकलाइट को सपोर्ट करने वाले ऑल-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ कई कनेक्टिविटी ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। इसमें कंसोल ब्लूटूथ कनेक्टिविटी विकल्प के साथ आता है और एक राइडर अब नाम के साथ फोन कॉल अलर्ट प्राप्त कर सकता है या मिस्ड कॉल के साथ-साथ एसएमएस नोटिफिकेशन भी प्राप्त कर सकता है। इसमें बाइक चलाते समय यूजर इससे स्मार्टफोन को चार्च कर सकता है, इसके लिए यूएसबी चार्जिंग पोर्ट भी दिया गया है।

यह मीटर फोन बैटरी प्रतिशत भी दिखाता है, इसमें रीयल-टाइम माइलेज इंडिकेटर है और कम ईंधन चेतावनी डालने के अलावा सर्विस शेड्यूल रिमाइंडर भी प्रदान करता है। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ ग्रोथ ऑफिसर रंजीवजीत सिंह ने आगे कहा कि यह उत्पाद इस सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करेगा। उन्होंने आगे कहा कि हीरो पैशन एक प्रतिष्ठित ब्रांड है और एक दशक से अधिक समय से ग्राहकों का भारी विश्वास है। अपने नए स्टाइल और नए एटिट्यूड के साथ, पैशन एक्सटेक नए जमाने के राइडर्स को पसंद आएगा। बता दें कि बाइक की ड्रम वेरिएंट के लिए 74,590 रुपये और डिस्क वेरिएंट के लिए 78,990 रुपये (एक्स-शोरूम) से कीमत शुरू होती है। हीरो पैशन एक्सटेक पांच साल की वारंटी के साथ आती है।

ओला ने अपना पूरा ध्यान सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन और कैब सर्विस कारोबार पर करेगी केंद्रित

नई दिल्ली (ईएमएस)। मशहूर कंपनी ओला ने अपना पूरा ध्यान सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन और कैब सर्विस कारोबार पर केंद्रित करने जा रही है। इसके अलावा कंपनी जो और अन्य कारोबार करती थी उनमें से कुछ को बंद करने का फैसला कर चुकी है। ओला ने कैब सर्विस से अपने कारोबार की शुरूआत की और इसके बाद अलग-अलग कई बिजनेस में हाथ आजमाया। पर अब कंपनी का इरादा दो ही बिजनेस पर फोकस करने का है। साल 2015 में ओला ने ओला काफ्स की शुरूआत की थी, फिर सालभर के अंदर ही इसे बंद कर दिया। इसके बाद ओला ने 2017 में फूड पांडा का अधिग्रहण किया और फूड डिलीवरी बिजनेस में उतर गई। ये बिजनेस भी कंपनी ने 2019 में बंद कर दिया। इसके बाद कंपनी ने क्लाउड किचन का बिजनेस ओला फूडस शुरू किया लेकिन उसका ये बिजनेस रफ्तार ही नहीं पकड़ सका। खबर के मुताबिक ओला अपने क्विक कॉमर्स बिजनेस ओला देश को भी बंद करने जा रही है। हालांकि इससे कितने लोगों को जॉब का नुकसान होगा, इसका आकलन रिपोर्ट में नहीं दिया गया है। इसी के साथ ओला सेकेंड हैंड कारों के बिजनेस में भी है। ओला कार्स ब्रांड के तहत कंपनी ने पिछले साल अक्टूबर में ही इस बिजनेस की शुरूआत की थी। बाजार में कंपनी का कम्प्टीशन कई कंपनियों के साथ है। खबर के मुताबिक कंपनी अब तक 5 शहरों में ओला कार्स का ऑपरेशन बंद कर चुकी है, जबकि पहले इसकी प्लानिंग 100 शहरों में 300 सेंटर खोलने की थी। इससे करीब 10,000 लोगों के लिए जॉब पैदा होगी। एक आधिकारिक ई-मेल में कंपनी के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि ओला ने अपनी प्राथमिकताओं का आकलन दोबारा किया है और क्विक कॉमर्स बिजनेस को बंद करने का निर्णय किया है। वहीं ओला कार्स के इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और क्षमताओं का इस्तेमाल ओला इलेक्ट्रिक के सेल्स और सर्विस नेटवर्क को बढ़ाने में काम आएगा।

दैनिक पंचांग

27 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

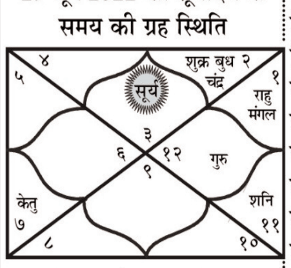

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.45 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	09.01 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.13 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.24 बजे से
गुरु	मीन में	वृश्चिक	15.39 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.55 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.00 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.46 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.19 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मेष	00.50 बजे से
		वृष	02.30 बजे से
		मिथुन	04.28 बजे से

सोमवार 2022 वर्ष का 178 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी अहोरात्र।
नक्षत्र रोहिणी 16.02 बजे को समाप्त।
योग शूल 06.47 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 16.39 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 20'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871292
जूलियन दिन 2459757.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्काद
तारीख 27
विशेष रोहिणी व्रत, मासिक शिवरात्रि, मधुमेह(डायबिटीज) जागृति दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

आज का भाग्य

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, आषाढ कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि चर्तुदर्शी, सोमवासरे, रोहिणी नक्षत्रे, शूल योगे, विवकरणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा दो. 3/47 तक, चर्तुदर्शी क्रत, सर्वार्थ सिद्ध, व्यापार मुर्हूत, दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, कुशल शासक-प्रशासक, उद्योगपति, उत्तम वृत्ति वाला, धनीमानी होगा।

मेष राशि :- तनाव, उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय, दाम्पत्य जीवन संतोषपूर्ण रहेगा।
वृष राशि :- शत्रुभय, सुख-मंगल, कार्य विशेष मामले-मुकदमे में प्राय जीत अवश्य ही होगी।
मिथुन राशि :- कुसंग हानि, रोगभय, यात्रा, उद्योग-व्यापार की स्थिति लाभ-हानि की रहेगी।
कर्क राशि :- पराक्रम, कार्यसिद्धी, व्यापार लाभ, खेती व गृहकार्य में व्यवस्था अवश्य ही बनेगी।
सिंह राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, स्थिति में सुधार अवश्य ही होगा, रुके कार्य बनेंगे।
कन्या राशि :- धन का व्यर्थ व्यय, कार्यो में हस्तक्षेप करने से दूसरों से तनाव अवश्य बनेगा।
तुला राशि :- कार्यगति अनुकूल, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, मित्रों से सहयोग अवश्य मिलेगा।
वृश्चिक राशि :- सामाजिक कार्य में प्रतिष्ठा-प्रभुत्व वृद्धि एवं कार्य कुशलता से संतोष होगा।
धनु राशि :- योजना फलीभूत, कार्य कुशलता से हर्ष होगा, मित्रों से सहयोग अवश्य ही मिलेगा।
मकर राशि :- अधिकारियों के संपर्क से बचें, तनाव-क्लेश व अशांति, बेचैनी अवश्य ही बनेगी।
कुंभ राशि :- उद्विघ्नता, असमंजस का वातावरण मन को क्लेशयुक्त रखेगा, ध्यान दें।
मीन राशि :- बिगड़े हुये कार्य बनें, कार्य योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही बनेंगे।

DELHI CRIME 27 june 2022:Layout 1 6/26/2022 7:06 AM Page 6

भारतीय टीम की कप्तानी के लिए सबसे बेहतर रहेंगे हार्दिक : वेंगसरकर

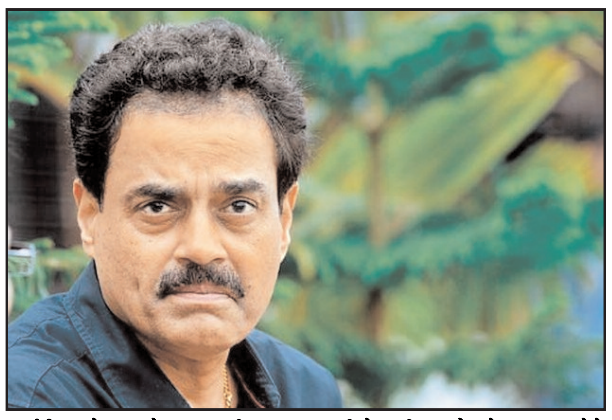

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा है कि भविष्य में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या कप्तानी के लिए सबसे बेहतर रहेंगे। युवा खिलाड़ियों वाली भारतीय टीम अभी हार्दिक की कप्तानी में आयरलैंड दौरे पर गयी है। यह टीम अपने इस दौरे में दो टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। चयन समिति के प्रमुख रहे वेंगसरकर का मानना है कि जिस तरह से इस ऑलराउंडर ने चोट लगने के बाद वापसी की है वह शानदार है। उन्होंने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की होगी और कप्तान के तौर पर उन्होंने अच्छा किया था। इससे साबित होता है कि वह एक अच्छे ऑलराउंडर हैं। गौरतलब है कि पांड्या की कप्तानी में नई टीम गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 15 वें सत्र का खिताब जीता था। वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाज कर टीम को मुश्किल समय में संभाला था। वेंगसरकर ने कहा कि आईपीएल में जब वह फाइनल में बल्लेबाजी करने आए तो 2 विकेट गिर चुके थे। तब उन्होंने कप्तान के तौर पर एक छोर संभाला और अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। एक ऑलराउंडर हमेशा ही टीम के लिए महत्वपूर्ण रहता है। ऐसे में यह चयनसमिति पर है कि वे क्या सोचते हैं।

फिक्सिंग कांड में बर्बाद हो गया बेहतरीन गेंदबाज मोहम्मद आसिफ का भविष्य : वसीम अकरम

मुंबई (ईएमएस)। क्रिकेट जगत में पाकिस्तान ने कई बेहतरीन खिलाड़ी दिए, जिन्होंने बड़े रिकॉर्ड बनाए लेकिन कई ऐसे भी थे जो टैलेंट होने के बावजूद एक गलती के कारण अपना करियर बर्बाद कर बैठे। क्रिकेट फिक्सिंग की अगर बात की जाए,तब पाकिस्तान के कई क्रिकेटर इसकी लपेटे में आ चुके हैं। 2010 में फिक्सिंग कांड में पाकिस्तान क्रिकेट के दो प्रमुख तेज गेंदबाजों मोहम्मद आसिफ और मोहम्मद आमिर का पत्न हो गया। आसिफ का करियर ही समाप्त हो गया था। अब आसिफ पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने कहा कि आसिफ ने अपनी प्रतिभा को बर्बाद कर लिया। अकरम ने कहा, हां, सभी ने मोहम्मद आसिफ की तारीफ की थी। यहां प्रतिभा बर्बाद हो गई, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन मैंने जिससे भी बात की, सभी ने कहा कि उन्होंने दशकों बाद ऐसा गेंदबाज देखा था। जिस तरह से उसने गेंद को नियंत्रित किया, जिस तरह से वह गेंद को दोनों तरफ से स्विंग कराने में कामयाब रहा, यह उसके लिए और पाकिस्तान के लिए भी बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। अकरम ने कहा, वह लंबे समय से मोहम्मद आसिफ से नहीं मिले थे और अगर वह उनसे मिल भी गए, तब वे अब उस पर नाराज नहीं होंगे। मैंने उसे कई सालों से नहीं देखा है। मैं कराची में 10 साल से रह रहा हूं, मैं शायद ही कभी लाहौर जाता हूं। वह एक बच्चा था। उससे गलती हुई है। गलतियां होती रहती हैं। बता दें कि आसिफ ने 2005-2010 के बीच पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान 23 टेस्ट, 38 एकदिवसीय और 11 टी20 आई में हिस्सा लिया। जिसमें 106, 46 और 13 विकेट विकेट हासिल किए।

कोरोना संक्रमित होने के बाद पृथकवास में भेज गये रोहित

-जसप्रीत या ऋषभ को मिल सकती है कप्तानी

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोरोना संक्रमित होने के बाद पृथकवास में भेज गये हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अगर रोहित एक जुलाई से शुरू हो रहे एकमात्र टेस्ट मैच तक ठीक नहीं होते हैं तो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम की कप्तानी करेंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि टीम इंडिया के कप्तान रोहित रेपिड एंटीजेन परीक्षण संक्रमित निकले थे। इसके बाद से ही टीम के वह मेडिकल टीम की निगरानी में रह रहे हैं। भारतीय टीम के एक अन्य खिलाड़ी स्पिनर आर अश्विन भी संक्रमित होने के कारण टीम से देर से जुड़े हैं। अश्विन को इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले ही संक्रमण हो गया था पर राहत की बात यह है कि अब अश्विन ठीक हो गये हैं। वह टीम इंडिया के साथ जुड़ चुके हैं पर लीसेस्टर के खिलाफ खेले गए अभ्यास मैच में उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में उनको एकमात्र टेस्ट में जगह मिलती है या नहीं इसपर संशय बना हुआ है। वहीं उपकप्तान लोकेश राहुल पहले ही इस दौरे से बाहर हो गये थे। राहुल चोटिल होने के बाद इलाज के लिए अभी जर्मनी गये हुए हैं। इस कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गई 5 टी20 मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। भारतीय टीम अब इस एकमात्र टेस्ट में शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल को पारी की शुरूआत के लिए भेज सकती है। मयंक ने भारत के लिए टेस्ट मैचों में सलामी बल्लेबाज के तौर पर काफी रन बनाए हैं।

अभ्यास मैच में विराट की शानदार बल्लेबाजी

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड दौरे पर काउंटी टीम लीसेस्टरशायर के खिलाफ दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी कर अपने फार्म में आने के संकेत दिये हैं। विराट ने अभ्यास मैच में लीसेस्टरशायर की ओर से खेल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर शानदार शॉट खेले। विराट ने अपनी पारी के दौरान एक ऐसा सपाट शॉट लगाया जिसे देखकर सभी हैरत में पड़ गये। वहीं पहली पारी में भी विराट ने 33 रन बनाकर आउट हुए। विराट पिछले दो साल से बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं, ऐसे में अभ्यास मैच उनकी अर्धशतकीय पारी देखकर उम्मीद की जा रही है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से होने वाले एकमात्र टेस्ट में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यह पिछले साल हुई सीरीज का पांचवा टेस्ट है जो तब कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाया था। भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से आगे हैं। ऐसे में अंतिम मैच में जीत के साथ ही उसके नाम सीरीज हो जाएगी।

अखिल भारतीय कराटे चैम्पियनशिप में दिल्ली ने हासिल किया दूसरा स्थान, चार स्वर्ण सहित जीते 10 पदक

नई दिल्ली, (हि.स.)। पुणे में 17 से 19 जून 2022 तक चले अखिल भारतीय कराटे चैम्पियनशिप 2022 में दिल्ली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया। दिल्ली के खिलाड़ियों ने अनिकेत गुप्ता के नेतृत्व में खेलते हुए टूर्नामेंट में कुल 10 पदक (4 स्वर्ण,3 रजत और 3 कांस्य) जीते। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में दीपिका धीमान (स्वर्ण पदक), प्रणय शर्मा (स्वर्ण पदक), नवीन भिंडिया (रजत पदक), मनीष (स्वर्ण पदक), हर्ष (स्वर्ण पदक), यश शर्मा (कांस्य पदक), अख्तर (रजत पदक), मनोज दोहिया (रजत पदक), श्वेता (कांस्य पदक) और शिवम (कांस्य पदक) शामिल हैं। प्रतियोगिता का आयोजन वर्ल्ड कराटे फेडेरेशन द्वारा मान्यता प्राप्त महासंघ द्वारा किया गया। दिल्ली टीम की अगुवाई हानशी भारत शर्मा महासचिव कराटे एसोसिएशन ऑफ दिल्ली द्वारा की गई। दिल्ली टीम कप्तान अनिकेत गुप्ता का व्यक्तित्व रूप से राष्ट्रीय स्तर पर यह लगातार 37वां पदक (15 वर्ष में) है। दीपिका धीमान लगातार 32वां पदक (12 वर्ष में) जीता। प्रतियोगिता में संजय महारैल दिल्ली टीम के कोच थे।

एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप में एक माह से कम को अंतर होने पर दोनों में भाग लूंगा : पुनिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के शीर्ष पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि अगर स्थगित किए गए एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप के बीच कम से कम एक महीने का अंतर होता है तो वह अगले साल इन दोनों प्रतियोगिताओं में भाग लूंगा। चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण एशियाई खेल 2022 को स्थगित कर दिया गया था। आयोजकों ने अभी तक इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता की नई तारीखों की घोषणा नहीं की है। विश्व चैम्पियनशिप सितंबर 2023 में रूस में होगी और वह ओलिम्पिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। बजरंग ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सम्मान समारोह के दौरान कहा कि 2023 महत्वपूर्ण वर्ष है। मेरा लक्ष्य विश्व चैम्पियनशिप से पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करना रहेगा। हमें अभी नहीं पता कि एशियाई खेलों और विश्व चैम्पियनशिप के बीच कितना अंतर रहेगा। उन्होंने कहा कि लेकिन यदि दोनों के बीच एक या डेढ़ महीने का समय होता है, तब मैं दोनों में भाग लूंगा। टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाले 28 वर्षीय बजरंग पिछली गलतियों से परेशान नहीं होना चाहते हैं और अपना ध्यान पेरिस ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने पर लगाना चाहते हैं। बजरंग ने कहा कि मैं चोटिल हो गया था और ओलिम्पिक के बाद 8 महीनों तक इससे उबर रहा था।

ओलिम्पिक किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। स्वर्ण नहीं जीत पाना झटका था लेकिन फिर भी मैंने कांस्य पदक जीता। विश्व में 65 किग्रा सबसे मुश्किल भार वर्ग है। बजरंग ने कहा कि ओलिम्पिक पदक जीतने के बाद मैं जरा भी नहीं बदला हूं। मेरा लक्ष्य 2024 में बेहतर प्रदर्शन करना है। मैं फिर से अभ्यास कर रहा हूं। भारत ने पिछले 4 ओलिम्पिक में कुश्ती में पदक जीते हैं। कांस्य और रजत जीते हैं लेकिन स्वर्ण नहीं। पेरिस खेलों के लिए मेरा यही लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें गलतियों को भूलकर, उनसे सीख लेकर आगे बढना है। जीत और हार किसी भी खिलाड़ी के जीवन का हिस्सा होते हैं। हमें दोनों को स्वीकार करना होगा। बजरंग राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के सिलसिले में रविवार को अमरीका रवाना होंगे। विश्व चैम्पियनशिप के पदक विजेता ने कहा कि जब वह बाहर अभ्यास करते हैं तो उन्हें अभ्यास के लिए बेहतर साथी मिल जाता है। उन्होंने कहा, मैं मिशिगन विश्वविद्यालय में अभ्यास करूंगा।

शेन वॉर्न का विज्ञापन दिखाने से भड़के प्रशंसक

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिवंगत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉर्न का विज्ञापन दिखाने से प्रशंसक काफी नाराज दिखे, जहां उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। वॉर्न का साल 4 मार्च 2022 को थाईलैंड में निधन हो गया था, उनके प्रशंसक इस तथ्य से नाखुश हैं कि उनके निधन के लगभग चार महीने बाद भी उनके विज्ञापन दिखाए जा रहे हैं। लीजेंड को पिछले महीने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में एक राजकीय स्मारक सेवा दी गई थी, जिसमें कई अतीत और वर्तमान क्रिकेट के दिग्गज और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि हेडिंग्ले टेस्ट के दौरान वॉर्न की विशेषता वाले विज्ञापन का इस्तेमाल जारी है। रिपोर्ट में कहा गया है, एडवांस हेयर स्टूडियो के एक विज्ञापन में वॉर्न को दिखाया जा रहा है। हालांकि, उनकी मृत्यु हो गई है। ऑस्ट्रेलियाई आइकन ने कंपनी के साथ अपने जुड़ाव को कभी नहीं छिपाया था, लेकिन टीवी मालिकों को दर्शकों द्वारा उनके स्पष्ट होने के लिए फटकार लगाई गई है। कई प्रशंसकों ने कथित तौर पर विज्ञापन पर गुस्सा व्यक्त किया है, यह सवाल करते हुए कि क्या टेस्ट मैच के दौरान इस दिखाना उचित था। रिपोर्ट में एक प्रशंसक के ट्वीट के हवाले से कहा गया है, क्या आपको सच में लगता है कि टेस्ट मैच के दौरान इसतरह के विज्ञापन दिखाना उचित है जिसमें दिवंगत शेन वार्न शामिल हों। एक अन्य प्रशंसक ने यह कहते हुए उद्धृत किया, शेन वॉर्न के साथ उस हेयर स्टूडियो विज्ञापन को देखकर मुझे अच्छा नहीं लगता। एक प्रशंसक ने कथित तौर पर ट्वीट किया, आज डब्ल्यूएफएच टूर्नामेंट शुरू हो गया। एडवांस हेयर स्टूडियो का विज्ञापन ओवरों के बीच में आता है, वे इससे संतुष्ट नहीं हैं।

डायमंड लीग में जीत की लय बरकरार रखना चाहेंगे नीरज

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को स्टॉकहोम में इस महीने के अंत में शुरू हो रही डायमंड लीग स्पर्धा में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट से ही उन्हें अगले महीने अमेरिका के यूजीन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों की जानकारी मिलेगी। नीरज ने हाल ही में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को दो बार हराया है। ऐसे में वह अपनी इस जीत के सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। नीरज ने फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड थ्रो के साथ सत्र की अपनी पहली प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया था। नीरज ने कुओर्टेन खेलों में 86.64 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण जीता था। स्टॉकहोम में पीटर्स भी उतरेंगे पर दोहा डायमंड लीग में 93.07 मीटर के शानदार प्रयास के साथ सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला यह खिलाड़ी लय में नहीं है। उन्होंने बुधवार को फिनलैंड के ओरिमत्तिला में एक स्पर्धा में अपने सभी थ्रो पूरे नहीं किए। यहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास केवल 71.94 मीटर का था। उन्होंने पावो नूरमी खेलों में 86.60 मीटर और कुओटार्ने खेलों में 84.75 मीटर भाला फेंका और दोनों जगह ही उन्हें तीसरा स्थान मिला।

प्रिंसेस कप वॉलीबॉल : भारतीय सीनियर महिला टीम ने मलेशिया को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सीनियर महिला वॉलीबॉल टीम ने थाईलैंड के नाखोन पाथोम में 21वें प्रिंसेस कप के तीसरे एवीसी महिला चैलेंज कप के अपने तीसरे लीग मैच में मलेशिया को 3-0 (25-17 25-16 25-22) से हराया। 24 जून से शुरू हुए इस टूर्नामेंट का समापन 30 जून को होगा। भारतीय पक्ष की ओर से हमलावर अनुश्री केपी और अवरोधक सूर्या ने गोल दागे। वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (वीएफआई) के अध्यक्ष अच्युत सामंत ने चैंपियनशिप में लगातार तीसरी जीत के लिए टीम को बधाई दी। बता दें कि इससे पहले भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में उज्बेकिस्तान को 3-0 (25-16, 25-13, 25-16) से हराया था। भारत के लिए कप्तान निर्मल, अवरोधक सूर्या, सेटर जिनी ने अच्छा खेल दिखाया और कभी भी उज्बेकिस्तान को ऊपरी हाथ नहीं लेने दिया और अंततः यह सीधी जीत हासिल की।

फिलीपींस में एफआईवीबी वॉलीबाल नेशंस मुकाबले में खेलते हुए फ्रांस ओर जापान के खिलाड़ी। (फोटो-ईएमएस)

गौरव गिल डब्ल्यूआरसी सफारी रैली से बाहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के अर्जुन पुरस्कार विजेता चालक गौरव गिल को विश्व रैली चैम्पियनशिप सफारी रैली कीनिया में शानदार शुरूआत के बाद इंजन में खराबी के कारण बाहर होना पड़ा। तीन बार के एशिया पैसिफिक रैली चैम्पियन और 7 बार भारतीय राष्ट्रीय रैली चैम्पियनशिप जीतने वाले गिल का वाहन धूल में फंस गया जिससे उनका इंजन खराब हुआ। गिल ने डब्ल्यूआरसी-दो के पहले और तीसरे चरण में जीत दर्ज की थी और उन्हें यहां खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। इस रैली को दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण रैलियों में से एक माना जाता है। गिल ने कहा कि मैं इस रैली से बाहर होने पर निराश हूं, लेकिन अन्य आयोजनों की तरह मेरे लिए यह शानदार अनुभव था।

कीव बल्लेबाज ने कहा, मैं युवा जॉनी बन गया हूं

लीड्स (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में फिर से जॉनी बेयरस्टो का बल्ला चला। न्यूजीलैंड द्वारा पहली पारी में बने 329 रनों के जवाब में इंग्लैंड ने एक समय 55 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। लेकिन अभी बेयरस्टो ने नए बल्लेबाज जेमी ओवरटन के साथ मिलकर 209 रन की साझेदारी की और इंग्लैंड को खराब स्थिति से बाहर निकाल लिया। शतक लगाने के बाद जॉनी ने कहा, मैं हमेशा से इस तरह खेलने की क्षमता रखता हूं। मेरा खयाल है कि यह मेरा व्यक्तित्व है जो अब उभर कर आ रहा है। मैं अब क्रीज पर ज्यादा सहज महसूस कर रहा हूं, मुझपर कोई खास दबाव नहीं है। बेयरस्टो ने इससे पहले ट्रेंट ब्रिज टेस्ट में भी शानदार शतक जड़ा था, जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने 50 ओवर के अंदर ही 299 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया था। बेयरस्टो ने कहा, मैं युवा जॉनी बन गया हूं, जहां मैं गेंद को देख पा रहा हूं। कई बार कई तरह की चीजों पर बकवास की जाती है, कई बार ये आपके दिमाग में घर कर जाती हैं। मुझे उन लोगों की बातें सुननी हैं जो मेरे लिये मायने रखते हैं और अभी मैं वही कर रहा हूं। मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मैं अपने अंदाज में खेलूं। बेयरस्टो ने कहा कि बेन स्टोक्स की कप्तानी और ब्रेंडन मैकुलम की कोचिंग में टीम चीजों को सरल रखने की कोशिश कर रही है। टेस्ट क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके बेयरस्टो ने कहा कि आप या तो अपना स्वाभाविक खेल खेल सकते हैं, या वैसे खेल सकते हैं जैसे क्रिकेटर सालों से खेलते आए हैं, लेकिन आपको मैच का रुख बदलने की जरूरत होती है।

प्रधानमंत्री जर्मनी, यूएई की यात्रा के दौरान 15 से अधिक कार्यक्रमों में होंगे शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा के दौरान 12 से अधिक विश्व नेताओं के साथ बैठक करेंगे। साथ ही 15 से अधिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यह जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी। प्रधानमंत्री मोदी म्यूनिख में भारतीय समुदाय के एक बड़े कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। वो 26 और 27 जून को होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए जर्मनी जाएंगे। प्रधानमंत्री 28 जून को यूएई के पूर्व राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए खाड़ी देश भी जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात में लगभग 60 घंटे के प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री दुनिया के सात सबसे अमीर देशों के समूह जी 7 की बैठक में

हिस्सा लेने के अलावा कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इससे पहलो विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने शुक्रवार को कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन से इतर जी-7 और अतिथि देशों के नेताओं साथ द्विपक्षीय मुलाकात और चर्चा करेंगे। जर्मनी ने भारत के अलावा अर्जेंटीना, इंडोनेशिया, सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका को भी अतिथि के रूप में सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी रवाना होने से पूर्व शनिवार को अपने वक्तव्य में कहा कि वह वहां विभिन्न नेताओं से विश्व मामलों पर विचार-विमर्श करेंगे। जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने दुनिया के विकसित देशों के संगठन जी7 की शिखर वार्ता में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है। जी 7 शिखर वार्ता का आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब यूक्रेन में सैन्य संघर्ष जारी है तथा पश्चिमी देशों ने रूस के खिलाफ व्यापक प्रतिबंध लगाए हैं। सदस्य देश रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। ये देश यूक्रेन को सैन्य और मानवीय सहायता की घोषणा कर सकते हैं। कूटनीतिक हलकों में यह कयास लगाया जा रहा है कि जी 7 के सदस्य देश भारत को रूस से तेल की खरीद कम करने तथा हथियारों के लिए रूस पर निर्भरता कम करने के लिए कह सकते हैं। हालांकि अमेरिकी प्रशासन के अधिकारी ने कहा कि शिखर वार्ता के विचार-विमर्श के मुद्दे बहुत व्यापक हैं तथा हम भारत को रूस से अलग करने की कोशिश नहीं कर रहे। अपने प्रारंभिक वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वह पर्यावरण, ऊर्जा, जलवायु, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, आतंकवाद विरोधी उपायों, स्त्री-पुरुष समानता और लोकतंत्र आदि मुद्दों पर सहयोगी देशों के नेताओं से विचार-विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शिखर वार्ता अंतरराष्ट्रीय सहयोग और महत्वपूर्ण विश्व मसलों पर चर्चा करने का अवसर है। उन्होंने जर्मनी के चांसलर स्कोल्ज के साथ पिछले दिनों हुई सार्थक वार्ता का जिक्र भी किया। जर्मनी में प्रधानमंत्री मोदी यूरोपीय देशों के भारतीय प्रवासियों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जी-7 शिखर सम्मेलन में पर्यावरण, ऊर्जा, जलवायु, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, आतंकवाद विरोधी, लैंगिक समानता और लोकतंत्र जैसे सामयिक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। वह सम्मेलन से इतर कुछ देशों के नेताओं से मिलने को लेकर उत्सुक हैं।

राज्यपाल कोश्यारी कोरोना मुक्त होकर राजभवन लौटे

-नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज होने की संभावना बढ़ी

मुंबई, (हि. स.)। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी रविवार को कोरोना मुक्त होकर राजभवन में लौट आए हैं। राज्यपाल कोश्यारी पिछले चार दिन से मुंबई के गिरगांव में स्थित रिलायंस अस्पताल में इलाज करवा रहे थे। संभावना जताई जा रही है कि कोश्यारी पूरी तरह से विश्राम पर रहेंगे और बहुत जरूरी हुआ तो शाम से कामकाज शुरू कर देंगे। दर-असल, राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी बुधवार को कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे और उन्हें रिलायंस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसलिए महा-

राष्ट्र का राजभवन का कामकाज गोवा के राज्यपाल को सौंप दिया गया था। शनिवार को राज्यपाल की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई थी लेकिन डॉक्टरों की सलाह के बाद उन्होंने अस्पताल में एक दिन और आराम किया। इसके बाद डॉक्टरों की सलाह के बाद आज सुबह 10 बजे राज्यपाल रिलायंस अस्पताल से डिस्चार्ज होकर राजभवन पहुंच गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे की बगावत ने सियासी संकट बढ़ गया है। संभावना जताई जा रही है कि शिवसेना के बागी शिंदे समूह की ओर से आज शाम तक महाविकास आघाड़ी सरकार से समर्थन वापसी का प्रस्ताव दिया जा सकता है। इसके बाद राज्यपाल इस मामले को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं और राज्य में नई सरकार के गठन प्रक्रिया तेज हो सकती है।

महा विकास आघाड़ी सरकार के सहयोगी दल कानूनी लड़ाई मिलकर लड़ेंगे: शरद पवार

मुंबई, (हि. स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र के सियासी गतिरोध को हटाने के लिए महा विकास आघाड़ी सरकार के सहयोगी दल साथ मिलकर कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। इस लड़ाई के लिए नामचीन वकीलों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई महा विकास आघाड़ी जीतेगी और सरकार कार्यकाल भी पूरा करेगी। महा विकास आघाड़ी सरकार के सहयोगी दलों के नेताओं की बैठक रविवार सुबह शरद पवार के आवास परआयोजित की गई थी। इस बैठक में शिवसेना के अनिल देसाई, कांग्रेस के बालासाहेब थोरात, अशोक चव्हाण उपस्थित रहे। दो घंटे तक चली बैठक में बागी विधायकों की वजह से उत्पन्न हर पहलू पर विस्तृत चर्चा की गई। पवार ने कहा कि यह सियासी संकट महा विकास आघाड़ी

पर आया है। इसलिए सभी सहयोगी दल मिलकर इस संकट का सामना करेंगे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झिजवल ने बागी विधायकों के नेता एकनाथ शिंदे को शिवसेना के प्रस्ताव के बाद शिवसेना विधायक दल के नेता पद से हटाकर अजय चौधरी को नेता नियुक्त किया है। साथ ही 16 बागी विधायकों पर कार्रवाई शुरू हो गई है। बागी विधायकों की ओर से दीपक केसरकर ने कहा है कि विधानसभा उपाध्यक्ष के निर्णय को कोर्ट में चुनौती देंगे।

एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर द्वारका सेक्टर-21 और द्वारका सेक्टर-25 आईआईसीसी के बीच ट्रायल रन की शुरूआत

नई दिल्ली, (हि.स.)। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर दो किलोमीटर लंबे द्वारका सेक्टर-21 से द्वारका सेक्टर-25 (आईआईसीसी) मेट्रो सेक्शन पर ट्रायल रन शुरू कर दिया गया है। डीएमआरसी के प्रमुख प्रवक्ता अनुज दयाल ने रविवार को बताया कि द्वारका सेक्टर 25 (आईआईसीसी) एक भूमिगत स्टेशन है और इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को द्वारका सेक्टर 21 से जोड़ने वाली वर्तमान में परिचालित एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन का विस्तार है। इस सेक्शन के पूरा होने से नई दिल्ली से द्वारका सेक्टर-25 (आईआईसीसी) एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन कॉरिडोर 24.70 किलोमीटर लंबा हो जाएगा। ट्रायल रन के दौरान, सिग्नलिंग सिस्टम का परीक्षण किया जाता है। ट्रायल रन के पूरा होने के बाद मेट्रो रेल संरक्षा

आयुक्त सहित विभिन्न अनुमोदन प्रदान करने वाले प्राधिकारियों द्वारा इस सेक्शन का अनिवार्य रूप से निरीक्षण किया जाएगा तथा अपेक्षित अनुमोदनों के बाद इस सेक्शन को यात्रियों के आवागमन हेतु खोल दिया जाएगा। इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर आईआईसीसी को भारत के सबसे बड़े प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। अत्याधुनिक सुविधाओं जैसे कन्वेंशन सेंटर, ऑडिटोरियम, होटल, ऑफिस स्पेस आदि से युक्त सुविधाओं वाला यह सेंटर वर्तमान में निमार्णाधीन है। आईआईसीसी स्थित मेट्रो स्टेशन इस नए सेंटर के लिए सुगम यातायात प्रदान करेंगा। यह स्टेशन सतह से करीब 17 मीटर की गहराई पर बन रहा है। स्टेशन में पांच प्रवेश/निकास स्थल होंगे जिन पर यात्रियों की सुगम आवाजाही हेतु 14 एस्केलेटर, पांच लिफ्टों के साथ-साथ सीढ़ियों की सुविधा भी होगी। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के अन्य स्टेशनों की तरह इस स्टेशन में भी फुल-हाइट प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर होंगे। इस नए कन्वेंशन सेंटर के आसपास सेवाएं देने के अलावा, यह नया स्टेशन द्वारका सेक्टर 25 और 26 के निवासियों के साथ-साथ नजदीक ही स्थित गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेस-वे के साथ नए सेक्टरों को भी मेट्रो कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इन क्षेत्रों के निवासी लगभग आधे घंटे में मध्य दिल्ली में पहुंच सकेंगे।

वाराणसी में मुख्यमंत्री योगी के हेलीकॉप्टर से टकराया पक्षी

-पुलिस लाइन मैदान में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग, अब राजकीय विमान से रवाना होंगे लखनऊ

वाराणसी, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर की रविवार को यहां पुलिस लाइन में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान भरते ही हेलीकॉप्टर से एक पक्षी के टकरा जाने से यह नौबत आई। मुख्यमंत्री के सुरक्षित उतरते ही प्रशासन ने राहत की सांस ली। यह जानकारी जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने दी। जिलाधिकारी शर्मा के मुताबिक इसके बाद मुख्यमंत्री पुलिस लाइन से वापस सर्किट हाउस लौट गए हेलीकॉप्टर में बर्ड हिट हो गया था। इसलिए सावधानी पूर्वक उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अब राजकीय विमान आ रहा है। मुख्यमंत्री बाबतपुर एयरपोर्ट से लखनऊ रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शनिवार शाम दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी आए थे। सर्किट हाउस में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की

समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जुलाई में प्रस्तावित दौरे के पूर्व तैयारियों का जायजा लिया था। देरशाम कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दर्शन भी किए। सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम के बाद पूर्वाह्न मुख्यमंत्री का काफिला पुलिस लाइन मैदान पहुंचा। यहां सेउन्हें लेकर हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर लगभग 550 फीट की ऊंचाई पर पहुंचा कि अचानक एक पक्षी टकरा गया। पायलट ने सुरक्षा कारणों से सावधानीपूर्वक हेलीकॉप्टर को पुलिस लाइन मैदान में लैंड किया। यह देखकर पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में अफसर और सुरक्षा दस्ता हेलीकॉप्टर के पास पहुंच गए।

बागी विधायक भगोड़ा, गद्दार, बेईमान, इस्तीफा देकर चुनाव लड़ें: राऊत

मुंबई, (हि. स.)। शिवसेना प्रवक्ता तथा राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने रविवार को पहली बार बागी विधायकों के लिए कठोर भाषा का प्रयोग किया। उन्होंने बगावत करने वाले विधायकों को भगोड़ा, बेईमान और गद्दार ठहराते हुए इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उल्लेखनीय है कि बागी विधायक इन दिनों एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में गुवाहाटी के होटल रेडिशन में रुके हुए है। संजय राऊत ने संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की बगावत का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भी शिवसेना से बगावत करने के बाद इस्तीफा दिया था। राऊत ने कहा कि असम में बाढ़ में लाशें तैर रही हैं और यह सभी होटल में मौजमस्ती कर रहे हैं। इनके विरुद्ध पुणे और मुंबई में शिवसैनिकों का प्रदर्शन जारी है। संजय राऊत ने कहा कि शिवसेना का एक ही बाप है और वह बालासाहेब ठाकरे। बागी विधायकों के कई बाप हो गए हैं।

इसलिए इन सबको बालासाहेब ठाकरे के नाम पर वोट की भीख नहीं मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ बागी विधायकों को जबरन गुवाहाटी के होटल में रखा गया है। इस होटल में कुल 340 रूम हैं और इन विधायकों को 40 रूम में रखा गया है। राऊत ने कहा कि उन्होंने खुद असम के मुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री को फोन कर इसी होटल में 20 रूम सांस्कृतिक प्रोग्राम के लिए मांगे थे, लेकिन रूम नहीं मिला। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी के होटल में बागी विधायकों को गांजा और अफीम का सेवन कराया जा रहा है। इसी वजह से यह सभी विधायक अब हिंदुत्व और बालासाहेब ठाकरे संबंधी बात करने लगे हैं। यह सब उन्हें ढाई साल तक याद नहीं आया। इनमें से कई मलाईदार विभाग लिए थे और मलाई खा रहे थे। इन विधायकों ने बालासाहेब ठाकरे की पीठ में खंजर घोंपा है। इनको किसी भी कीमत पर माफी नहीं दी जाएगी।

अग्निपथ योजना के खिलाफ आज देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

-'अग्निपथ योजना' के खिलाफ 20 अलग-अलग जगहों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे कांग्रेस नेता

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। कांग्रेस अग्निपथ योजना के खिलाफ सोमवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। इस बीच कांग्रेस नेता 20 अलग-अलग जगहों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। कांग्रेस ने 'अग्निपथ की बात, युवाओं से विश्वासघात' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मीडिया से बातचीत करेगी। शिमला में आलोक शर्मा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। देहरादून में मानवेंद्र सिंह, चंडीगढ़ में सांसद रंजीत रंजन, नई दिल्ली में सांसद शक्तिसिंह गोहिल, जयपुर में सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, अहमदाबाद में अलका लांबा, मुंबई में सुप्रिया श्रीनेत, बेंगलुरू में एमएम पल्लम राजू, चेन्नई में सासंद गौरव गोगोई, हैदराबाद में सांसद नसीर हुसैन प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। पार्टी के अन्य नेता भी इस मुद्दे को लेकर इसी तरह की प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे।

सोनिया गांधी ने फोन पर उद्धव ठाकरे को दिया दिलासा

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में तेजी से बदल रहे सियासी खेल में शनिवार को अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फोन पर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को दिलासा दिया है। सूत्रों के अनुसार सोनिया गांधी ने उद्धव ठाकरे से कहा कि संकट के समय कांग्रेस पार्टी उनके साथ है। इस बीच शिवसेना के एक जिलाध्यक्ष ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस तरह शिवसेना में विधायकों की फूट अब संगठन तक पहुंचती नजर आने लगी है। महाराष्ट्र में 20 जून को विधानपरिषद का चुनाव होने के बाद शिवसेना के नाराज विधायक गुजरात के सूरत चले गए थे। इसके बाद इन विधायकों को एयर लिफ्ट के माध्यम से असम के गुवाहाटी में स्थित होटल में शिफ्ट किया गया। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को कांग्रेस-राकांपा का साथ छोड़ने तथा भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर सरकार बनाने की मांग की है। इसे लेकर महाराष्ट्र में सियासी गतिरोध जारी है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भाजपा के साथ जाने से साफ मना कर दिया है और बगावत करने वाले विधायकों पर कार्रवाई

शुरू कर दी है। उद्धव ठाकरे के इस रुख को देखते हुए शुक्रवार को राकांपा नेता शरद पवार उनसे मिले थे। आज सोनिया गांधी ने भी फोन कर उद्धव ठाकरे से कहा कि कांग्रेस पार्टी संकट की इस घड़ी में शिवसेना के साथ है। इधर, शिवसेना के बागी विधायक एकनाथ शिंदे के बेटे सांसद श्रीकांत शिंदे ने ठाणे में जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शिवसैनिकों को एकनाथ शिंदे तथा अन्य विधायकों के नाराज होने का कारण बताने का भी प्रयास किया। इसके बाद ठाणे शिवसेना जिलाध्यक्ष नरेश म्हास्के ने अपने पद का इस्तीफा शिवसेना के मुख्य कार्यालय में भेज दिया है। नरेश म्हास्के ने कहा कि उन्होंने शुरूआत की है, अब संगठन के कई पदाधिकारी भी शिवसेना पार्टी से इस्तीफा देने वाले हैं।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

सामंथा को आया गुस्सा, ट्रोल्स को दिया जवाब

- नागा चैतन्य को लेकर उड़ाई थी अफवाह

हैदराबाद (ईएमएस)। कुछ ट्रोल्स ने दावा करना शुरू कर दिया कि नागा चैतन्य के बारे में अफवाहें उनकी पूर्व पत्नी सामंथा रूथ प्रभु की पीआर टीम द्वारा अभिनेता की छवि को धूमिल करने के लिए फैलाई गई थीं। सामंथा, गुस्से में आ गई और ट्रोल्स पर पलट-वार किया। नागा चैतन्य कथित तौर पर एक बॉलीवुड अभिनेत्री को डेट कर रहे हैं, जो तेलुगु फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। यह खबर वायरल हो गई। इस खबर को लेकर सामंथा का नाम घसीटा गया था। इस सामंथा ने मीडिया को आगे बढ़ने के लिए कहा, यह कहते हुए कि अफवाहों में लिप्त पक्ष स्पष्ट रूप से आगे बढ़ गए थे। सामंथा ने एक ट्विटर हैंडल द्वारा अपलोड किए गए एक लेख का हवाला दिया जिसमें इस मामले में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाया गया था "लड़की पर अफवाहें - सच होनी चाहिए, लड़के पर अफवाहें - लड़की द्वारा लगाई गई, बड़े हो जाओ दोस्तों। इसमें शामिल पार्टियां स्पष्ट रूप से आगे बढ़ गई हैं, आपको भी आगे बढ़ना चाहिए, अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें, अपने परिवार पर ध्यान दे, आगे बढ़ें।"सामंथा के आने वाले प्रोजेक्ट की बात करें त, सामंथा अगली बार 'शकुंतलम' और 'यशोदा' में दिखाई देंगी। वह सक्रिय रूप से फिल्म 'कुशी' के लिए शूटिंग कर रही हैं जिसमें वह 'अर्जुन रेड्डी' फेम विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी।

आश्रम में बॉबी देओल की लोगों ने की जबरदस्त तारीफ

-आर्यमान भी करेंगे दादा धर्मेंद्र के साथ बॉलीवुड में एंट्री

मुंबई (ईएमएस)। वेब सीरीज आश्रम में बॉबी देओल की लोगों ने जबरदस्त तारीफ की है। वेब सीरीज के चौथा हिस्सा यानी आश्रम 4 अगले साल रिलीज होने वाला है। इस वेब सीरीज के साथ बॉबी जल्द भाई सनी देओल और भतीजे करण देओल के साथ फिल्म अपने 2 में नजर आने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बेटे आर्यमान के बॉलीवुड डेब्यू के लेकर खुलकर बात की। बॉबी देओल के बड़े भाई, बॉलीवुड एक्टर और बीजेपी से स-ांसद सनी देओल के बेटे करण देओल ने बॉलीवुड में एंट्री कर ली है। क्या बॉबी देओल के बेटे आर्यमान भी अपने दादा धर्मेंद्र के साथ बॉलीवुड में एंट्री करेंगे? इस सवाल का हाल ही में एक्टर ने दवाब दिया है। इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए बॉबी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि पहले मेरा बेटे ठीक से पढ़ाई-लिखाई कर लें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई लिखाई बेहद जरूरी है, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री में कुछ भी फिक्स नहीं होता है। कई बार ऐसा होता है जब चीजें अचानक आपके खिलाफ हो जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये जरूरी नहीं इसी प्रोफेशन में हो, ये कही भी हो सकता है। बॉबी देओल ने आगे कहा कि उनका बेटा फिलहाल पढ़ाई कर रहा है। हां ये भी सच है कि वो भी एक्टर बनने के सपने देखता है। उन्होंने बताया कि आर्यमान साथ में फिल्में देखते हैं और उसके बारे में चर्चा भी करते हैं। बॉबी ने ये भी बताया कि उनके बेटे उनकी फिल्मों के बारे में भी अपनी राय देते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने बेटों का हमेशा सपोर्ट करते हैं। बॉबी देओल के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अपने 2, आश्रम 4 के साथ रणबीर कपूर और अनिल कपूर के साथ अपनी अगली फिल्म एनिमल के लिए कमर कस चुके हैं।

ईश्वर्या के साथ एक अद्भुत तालमेल है : जननी

-अभिनेत्रियों के बीच कोल्ड वाइब्स को लेकर बोली एक्ट्रेस

चेन्नई (ईएमएस)। साउथ की अभिनेत्री जननी का कहना है कि यह धारणा कि एक परियोजना में काम करने वाली दो अभिनेत्रियों में कोल्ड वाइब्स होगी, वास्तव में एक गलत धारणा के अलावा और कुछ नहीं है। अभिनेत्री, ने 'वेजम' टीम द्वारा बुलाई गई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "आमतौर पर यह गलत धारणा है कि एक प्रोजेक्ट में एक साथ काम करने वाली दो अभिनेत्रियों के मन में कोल्ड वाइब्स होगी। यह असत्य है। ईश्वर्या और मैं दोनों एक अद्भुत तालमेल और दोस्ती साझा करते हैं। हमें इस फिल्म में साथ काम करने में बहुत मजा आया।" जननी ने फिल्म के निर्देशक, संदीप श्याम, एक नवागंतुक के लिए भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "आमतौर पर नए आने वाले निर्देशकों के साथ काम करते समय, अभिनेताओं में असुरक्षा की भावना होती है। हालांकि, निर्देशक संदीप श्याम के साथ काम करते समय ऐसी कोई असुरक्षा नहीं थी।" अशोक सेलवन के साथ उनकी हिट फिल्म 'थेगिडी' के बाद फिर से काम करने पर जननी ने कहा, "अशोक और मैंने साथ में 'थेगिडी' में काम किया है और हम इस फिल्म के लिए फिर से एक साथ काम कर रहे हैं। मैंने इसकी कुछ क्लिप देखी हैं और यह बहुत अच्छी तरह से आई है। झानू का संगीत स्कोर फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। मुझे खुशी है कि मेरे पास उनका एक अच्छा गाना है।"

पापा ऋषि को याद कर इमोशनल हुए रणबीर कपूर

रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म शमशेरा का टीजर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वह लार्जर देन लाइफ कैरेक्टर में नजर आएंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू में रणबीर इमोशनल होते हुए कहा कि काश पापा होते तो वह मेरी फिल्म देखकर अपना रिएक्शन जरूर देते। ऋषि कपूर के निधन को दो साल हो गए हैं लेकिन बेटा रणबीर और पत्नी नीतू हमेशा उनको याद करती रहती हैं। इंटरव्यू में रणबीर अपने पापा को याद करते हुए कहा, अगर पापा जिंदा होते तो शमशेरा में मुझे देख बहुत खुश होते। पापा हमेशा ईमानदारी से फिल्मों की आलोचना करते थे। अगर कोई फिल्म उन्हें कुछ पंसद आया तभी वह अच्छा बोलते थे, लेकिन उन्हें कुछ पसंद नहीं आया तो सिरे से नकार देते थे। मेरे काम के साथ वह हमेशा यही किया करते थे। वो मेरे सच्चे क्रिटिक थे। इसीलिए यह मेरे लिए बहुत दुख की बात है कि वह इस बार मेरी फिल्म नहीं देखेंगे। फिल्म पर बात करते हुए रणबीर ने कहा कि मैं शमशेरा को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और खुश हूं कि करियर में इस तरह कि फिल्म करने को मिल रही है। मुझे उम्मीद है कि पापा जहां कहीं भी होंगे मुझे देखकर गर्व महसूस करते होंगे।

अक्षरा के वर्कआउट से प्रभावित शख्स ने ज्वाइन की जिम

-वर्कआउट वीडियो को देखकर लोग जमकर कर रहे कमेंटस

मुंबई (ईएमएस)। भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह से लोग काफी प्रभावित हो रहे हैं। यहां तक कि एक शख्स तो इतना प्रभावित हो गया कि उसने जिम ज्वॉइन कर ली है। वर्कआउट वीडियो को देखकर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और ये वायरल हो रहा है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपना वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्हें जिम आउटफिट में देखा जा सकता है। साथ ही वो एक पोल पर लटककर ऐब्स वाली एक्सरसाइज भी कर रही हैं, जिसे देखकर यूजर्स खूब कमेंट्स कर रहे हैं। अक्षरा ने अपना वर्कआउट वीडियो शेयर करने के साथ ही बेहतरीन कैप्शन भी लिखा, ये क्रूर व्यक्ति का समय है। ये मैं अपने लिए करती हूं। वहीं, एक्ट्रेस के वीडियो को शेयर करने के बाद ही लोग उनकी पोस्ट पर खूब कमेंट्स कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इंस्टाग्राम क्वीन। दूसरे ने लिखा, बिहार की शेरनी। तीसरे ने लिखा, लेडी रॉक। चौथे ने लिखा, बहुत ह-ार्ड। इसके अलावा भी लोग उनकी पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं और खतरनाक तक कह रहे हैं। एक्ट्रेस के वीडियो को 63 हजार से ज्यादा व्यूज और 15 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

अक्षरा सिंह ने दो म्यूजिक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहे हैं। उनका गाना इधर आने का नहीं को 400 मिलियन से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है और डॉन्ट टच माय हैंड ने यूट्यूब पर 300 मिलियन व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया है। एक्ट्रेस ने इसके लिए फैंस का शुक्रिया भी अदा किया है। अब अगर उनके वर्कफ्रंट की बात की जाए तो हाल ही में खेसारी लाल यादव के साथ म्यूजिक वीडियो सुनामी में भी नजर आने वाली हैं। बता दें कि बिहार की शेरनी कही जाने वाली भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपना खुद से जुड़ा कोई ना कोई वीडियो और फोटोज अपलोड करती रहती हैं। अब वो अपना एक वर्कआउट वीडियो शेयर कर लोगों के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

भूल भुलैया-2 की सफलता पर कार्तिक आर्यन को तोहफे में मिली मैकलारेन जीटी लग्जरी कार

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के पास भारत की पहली मैकलारेन जीटी लग्जरी है। कार की कीमत 3.73 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह सुपरकार कार्तिक को टी-सीरीज के चेयरपर्सन भूषण कुमार ने उनकी नई फिल्म भूल भुलैया-2 की सफलता के बाद गिफ्ट में दी है। कार्तिक आर्यन वर्तमान में अपनी सुपरहिट फिल्म भूल भुलैया-2 के लिए चर्चा में हैं, क्योंकि यह 2022 की अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक फिल्म है और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अब तक 180 करोड़ रुपये से ज्यादा बिजनेस कर चुकी है। कार्तिक की नई सुपरकार की बात करें तब मैकलारेन जीटी वर्तमान में भारत में बिक्री के लिए सबसे किफायती मैकलारेन है। इस ग्रैंड टूरर की बेस प्राइस बिना किसी टैक्स और वैकल्पिक एक्सेसरीज के एक्स-शोरूम 3.73 करोड़ रुपये है। कार्तिक की नई मैकलारेन जीटी क्लासिक मैकलारेन ऑरेंज शेड में ग्लॉस ब्लैक और स्पोर्ट्स अजोरेस कॉलिपर्स में टायर्स के साथ आती है। एक ग्रांड टूरर होने के नाते मैकलारेन जीटी को इस तरह से डिजाइन किया गया है, कि यह मीलों तक आसानी से बिना रुके चल सके। इ स सुपरकार में एक मिड-माउंटेड, 4.0-लीटर ट्विन-टर्बो वी8 इंजन दिया गया है, जो 611 बीएचपी की पावर और 630 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है और पावर को एक ओपन डिफरेंशियल के जरिए रियर व्हील्स तक पहुंचाया जाता है। मैकलारेन जीटी 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार महज 3.2 सेकेंड में पकड़ लेती है, जबकि शून्य से 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में इस 9 सेकेंड का समय लगता है। इस सुपरकार की टॉप स्पीड 327 किमी प्रति घंटा है। कार्तिक आर्यन ने अपनी मैकलारेन जीटी की डिलीवरी इंफिनिटी कार्स मुंबई से ली है। नई जीटी के अलावा, कार्तिक के कार कलेक्शन में एक बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज, एक मिनी कूपर एस कन्वर्टिबल, एक पोर्श 718 बॉक्सस्टर, और उनकी फेवरेट लेम्बोर्गिनी यूरस कैप्सूल वेरिएंट भी शामिल है।

नयनतारा की एक फिल्म की फीस है 10 करोड़

साउथ फिल्म इंडस्ट्री पिछले कुछ समय में तेजी से उभरी है। इस इंडस्ट्री में पिछले कुछ समय में बेहतरीन फिल्में बनीं हैं जो भारत में ही नहीं बल्कि कई देशों में पसंद की गई हैं। साउथ फिल्मों एक्ट्रेसेस की पॉपुलैरिटी तेजी से बढ़ रही है। नयनतारा साउथ सिनेमा की सबसे ज्यादा फीस चार्ज करने वाली एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वो एक फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपए तक फीस चार्ज करती हैं। उन्होंने फिल्म जयम रवि के लिए 10 करोड़ फीस ली थी। फिलहाल नयनतारा विग्नेश से शादी को लेकर चचाओं में हैं। एक्ट्रेस की नेटवर्थ 165 करोड़ रुपए है। सामंथा रुथ प्रभु साउथ की सबसे खूबसूरत और बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह एक फिल्म के लिए 3 से 5 करोड़ रुपए तक चार्ज करती हैं। एक्ट्रेस की नेटवर्थ 80 करोड़ रुपए है।

संजय दत्त के कैरेक्टर दरोगा शुद्ध सिंह का लुक रिवील

'शमशेरा' के मेकर्स ने रणबीर कपूर के लुक और फिल्म के टीजर के बाद गुरुवार को संजय दत्त का ऑफिशियल कैरेक्टर लुक रिवील किया है। संजय इस फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। फिल्म में अपने कैरेक्टर के बारे में बात करते हुए उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि विलेन का रोल प्ले करना एक्साइटिंग रहा। फिल्म में संजय के कैरेक्टर का नाम दरोगा शुद्ध सिंह है। संजय दत्त ने कहा, "विलेन का रोल प्ले करना हमेशा एक्साइटिंग होता है, क्योंकि आप नियमों को तोड़ते हैं। आप विलेन के कैरेक्टर को अपने तरीके से निभा सकते हैं। मुझे तो इस रोल का निभाने में बहुत मजा आया और मैं खुद को लकी फील करता हूं कि लोगों को मेरे निभाए निगेटिव किरदार अब तक अच्छे लगे हैं।"

आर माधवन रॉकेट्री के बाद नहीं बनाएंगे कोई और फिल्म

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' के प्रमोशंस में बिजी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या वो इस फिल्म के बाद किसी और फिल्म को डायरेक्ट करेंगे? तो इसके जवाब में एक्टर ने कहा कि उन्हें यह काम बहुत थकाऊ लगता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी सरिता भी यही चाहती हैं कि वो अभी एक्टिंग पर ध्यान दें। आर माधवन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा फिल्म डायरेक्ट करूंगा। यह बहुत थका देने वाला प्रोसेस होता है और मेरे पास अभी किसी फिल्म को डायरेक्ट करने का कोई प्लान नहीं है। फिल्म 'रॉकेट्री' के साथ जो डायरेक्टर पहले जुड़े थे, उन्हें किसी कारण इस प्रोजेक्ट्स से बाहर होना पड़ा। इसलिए यह जिम्मेदारी मैंने संभाली।

किसी और से बातचीत करने के लिए मेरे पास समय नहीं था। मिस्टर नंबी ने भी मुझपर भरोसा जताया और मुझे लगा कि ये मेरी ड्यूटी है।' बता दें कि इस फिल्म में एक्टिंग के साथ-साथ माधवन ने राइटिंग और डायरेक्शन का जिम्मा भी संभाला है।

शाहरुख खान ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे हुए 30 साल

बॉलीवुड के 'बादशाह' शाहरुख खान ने आज फिल्म इंडस्ट्री में अपने 30 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने 1992 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवाना' से बॉलीवुड में कदम रखा था, जो आज ही के दिन यानी 25 जून, 1992 को रिलीज हुई थी । इस फिल्म में वो ऋषि कपूर और दिव्या भारती के साथ नजर आए थे। आज इस फिल्म के साथ ही शाहरुख खान ने भी बॉलीवुड में अपने 29 साल पूरे कर लिए हैं। बॉलीवुड में किंग खान के 30 साल पूरे होने पर फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राज कंवर निर्देशित फिल्म दीवाना के लिए शाहरुख खान को फिल्म फेयर के बेस्ट मेल डेब्यू के पुरस्कार से नवाजा गया। इसके बाद शाहरुख ने पीछे मुड़ कर नहीं देखा। साल 1992 में आई राजीव मेहरा निर्देशित फिल्म 'चमत्कार' बतौर मुख्य अभिनेता शाहरुख की पहली फिल्म थी। इस फिल्म में शाहरुख के अपोजिट अभिनेत्री उर्मिला मांतोडकर लीड रोल में थी। इसके बाद शाहरुख एक के बाद एक कई फिल्मों में नजर आये और दर्शकों के दिलों पर बादशाह बन कर राज करने लगे।

शाहरुख खान ने बॉलीवुड में बाजीगर, डर, दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे, दिल तो पागल है, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, देवदास, कल हो ना हो, वीर जारा, चेन्नई एक्सप्रेस जैसी कई हिट फिल्में दी। बतौर अभिनेता शाहरुख खान आखिरी बार साल 2018 में आई आनंद एल रॉय की फिल्म 'जीरो' में अभिनय करते नजर आये थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान जल्द ही फिल्म 'पठान','डंकी' और 'जवान' में लीड रोल में नजर आएंगे। इसके अलावा वह फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' ,'टाइगर 3 ' और 'लाल सिंह चड्ढा' में भी छोटी सी भूमिका निभाते नजर आएंगे।

मलाइका अरोड़ा के साथ बर्थडे वेकेशन पर निकले अर्जुन कपूर

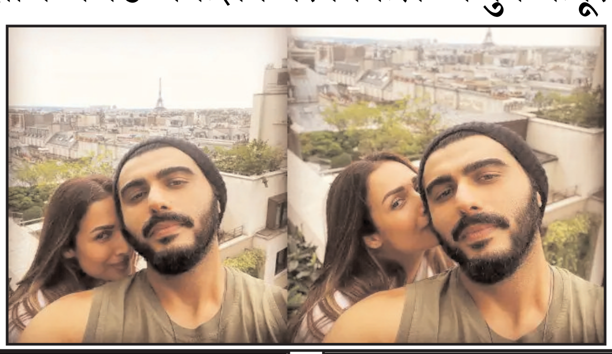

मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर अपने रिलेशनशिप को लेकर हमेशा चर्चा में बने रहते है। अब कपल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दोनों को एक साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। रिपोर्ट्स की माने तो अर्जुन के बर्थडे से पहले दोनों पेरिस वेकेशन के लिए रवाना हो गए हैं। बता दें, अर्जुन कपूर 26 जून को 37 साल के हो जाएंगे।

सूडोकु नवताल- 6114

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6113 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6861

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वान' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	ट
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

कोचवान, भगवान, मूल्यवान, पकवान, यशवान, ज्ञानवान, भाग्यवान, दयावान, सागवान, पहलवान

शब्दजाल - 6860 का हल

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य
ने	बा	म	न्न	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5814

		7	1			5
3	29	6	37	2	31	1
	2		7	5		
5	30		30		31	6
		5	4		3	
2	33	4	31	3	30	7
6			5	7		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5813 का हल

7	5	1	3	6	4	2
6	35	6	30	1	32	7
4	1	5	6	2	7	3
1	26	2	34	4	31	5
2	4	7	5	3	6	1
3	29	4	40	5	34	6
5	1	3	6	7	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in